हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

RNI : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-01 ● अंक- 103 ● भिलाई, शनिवार 25 अक्टूबर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

हिमाचल में मौसम की पहली बर्फबारी में 250 भेड़ों की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में इस मौसम की पहली भारी बर्फबारी और अचानक गिरते पारे से चंबा जिले में कम से कम 250 भेड़-बकरियों की मौत हो गयी है। इस बर्फबारी ने न केवल हिमाचल के मौसम को प्रतिकूल बना दिया है बल्कि स्थानीय चरवाहे समुदायों की बेबसी को भी उजागर कर दिया है। राज्य अभी तक इस साल के मानसूनी सीजन की विभीषिका से उबर नहीं पाया है जिसमें न केवल भारी जनहानि हुयी बल्कि अरबों रुपयों की सरकारी एवं निजी संपति भी तबाह हो गयी थी। ताजा बर्फबारी ने पर्यटन में सुधार की उम्मीद तो जगाई है लेकिन इसने चंबा के कठिन जरासू दर्रे से गुजर रहे प्रवासी चरवाहों (गद्दियों) के एक समूह पर कहर बरपा दिया है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार मूल रूप से कांगड़ा जिले के ग्वालटिक्कर के रहने वाले ये चरवाहे शुक्रवार को 600 भेड़-बकरियों के झुंड को लेकर ऊंचाई वाले दर्रे से गुजर रहे थे।

उड़ते इंडिगो विमान में फ्यूल लीकेज से मची अफरातफरी

वाराणसी। कोलकाता से श्रीनगर जा रही इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान (संख्या 6श्च-551) में उस समय हड़कंप मच गया जब विमान में अचानक फ्यूल लीकेज की जानकारी मिली। पायलट ने तुरंत सतर्कता दिखाते हुए वाराणसी एयरपोर्ट के एटीसी से संपर्क किया और आपातकालीन लैंडिंग की अनुमति मांगी। अनुमति मिलते ही विमान को वाराणसी में सुरक्षित उतार लिया गया। जानकारी के अनुसार, विमान में 166 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। उड़ान कोलकाता से रवाना होकर श्रीनगर जा रही थी। रास्ते में तकनीकी जांच के दौरान फ्यूल सिस्टम में गड़बड़ी के संकेत मिले। क्रू मेंबर्स ने त्वरित निर्णय लेते हुए एटीसी को सूचित किया। वाराणसी एयरपोर्ट प्रशासन ने तुरंत आपातकालीन सेवाएं सक्रिय कीं और रनवे पर फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस और सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया। अचानक विमान के उतरने और सुरक्षा वाहनों को देखकर यात्रियों में कुछ देर के लिए घबराहट का माहौल बन गया।

लुधियाना में वेरका मिल्क प्लांट के स्टीम बॉयलर में विस्फोट, एक की मौत

लुधियाना। पंजाब के लुधियाना में वेरका मिल्क प्लांट में बुधवार देर रात बड़ा हादसा हुआ। मिल्क पाउडर बनाने वाले मिल्क प्लांट में एक बड़े स्टीम बॉयलर में विस्फोट हो गया, जिससे चीफ इंजीनियर कुणाल जैन की मौत हो गई। इसके अलावा, हादसे में चार अन्य कर्मचारी घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही प्लांट के वरिष्ठ अधिकारी और पुलिस-प्रशासन मौके पर पहुंचे। घायलों को लुधियाना के डीएमसी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। मृतक कुणाल जैन ग्रेड-ए में तैनात थे और कुछ दिन पहले ही उनका प्रमोशन हुआ था।

कुरनूल बस हादसा

आग में जिंदा जले 20 यात्री, 21 को सुरक्षित बचा लिया गया

बंगलूरू/ एजेंसी

आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले के चिन्नातेकुर के निकट एक निजी बस में दोपहिया वाहन से टक्कर के बाद आग लग गई, जिससे इस हादसे में 20 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मरने वालों में बाइक सवार एक व्यक्ति भी शामिल है। हादसे पर पीएम मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शोक जताया है। प्रारंभिक सूचना के अनुसार, बंगलूरू से हैदराबाद जा रही बस में हादसे के दौरान करीब 41 लोग सवार थे। इसमें कहा गया है कि टक्कर के बाद मोटरसाइकिल बस के नीचे आ गयी और इसके ईंधन टैंक का ढक्कन खुल गया जिससे आग लग गई। कुरनूल के जिला कलेक्टर डॉ ए सिरी ने न्यूज एजेंसी एएनआई को बताया, यह दुर्घटना सुबह 3 से 3:10 बजे के बीच हुई जब बस एक बाइक से टकरा गई, जिससे ईंधन रिसाव हुआ और आग लग गई। 41 यात्रियों में से 21 को सुरक्षित बचा लिया गया है। बाकी 20 में से 11 के शवों की अब तक पहचान हो पाई है। बाकी की पहचान के प्रयास जारी हैं। कुरनूल संभाग के पुलिस उप महानिरीक्षक कोया प्रवीण ने बताया, 19 यात्री, दो बच्चे और दो चालक इस दुर्घटना में बाल-बाल बच गए। पुलिस ने बताया कि शॉर्ट सर्किट के कारण बस का दरवाजा जाम हो गया और कुछ ही मिनटों में बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। तेलंगाना सरकार ने शुक्रवार को हैदराबाद से बंगलूरू जा रही निजी बस के यात्रियों के परिवारों

की सहायता के लिए एक हेल्पलाइन शुरू की। सरकार ने एक विज्ञप्ति में कहा कि मदद के लिए उसके अधिकारियों एम श्रीरामचंद्र (मोबाइल 9912919545) और ई चिट्टीबाबू (मोबाइल 9440854433) से संपर्क किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के निर्देश के बाद यह हेल्पलाइन शुरू की गई। उन्होंने सरकार के मुख्य सचिव के रामकृष्ण राव और पुलिस महानिदेशक शिवधर रेड्डी से बात की। मुख्यमंत्री ने आईएएस अधिकारी एस हरीश और पड़ोसी राज्य तेलंगाना के कुरनूल जिले के गडवाल जिले के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को दुर्घटनास्थल पर पहुँचने और राहत कार्यों का समन्वय करने का निर्देश दिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश में एक बस में आग लगने के कारण लोगों की हुयी मौत पर शोक प्रकट किया और इस दुर्घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। राष्ट्रपति ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आंध्र प्रदेश के कुरनूल में एक दुखद बस अग्निकांड में हुई मौतों की खबर बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं, और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिये प्रार्थना करती हूं। कुरनूल के जिला कलेक्टर डॉ ए सिरी ने बताया, यह दुर्घटना सुबह 3 से 3:10 बजे के बीच हुई जब बस एक बाइक से टकरा गई, जिससे ईंधन रिसाव हुआ और आग लग गई।

पीएम मोदी ने हताहतों के प्रति संवेदनाएं प्रकट कीं आर्थिक मदद का एलान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कुरनूल सड़क हादसे पर दुख जताया है। प्रधानमंत्री कार्यालय के आधिकारिक एक्स हैंडल पर जारी संदेश के मुताबिक पीएम मोदी ने कहा, 'आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में हुई दुर्घटना में जान-माल की हानि से अत्यंत दु:खी हूं। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने हादसे के बाद शोक जताते हुए कहा, कुरनूल जिले के चिन्ना टेकुर गांव के पास हुई भीषण बस आग दुर्घटना के बारे में जानकर मुझे गहरा सदमा पहुंचा है। मेरी हार्दिक संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है।

सब इंस्पेक्टर की पत्नी ने यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाया

झूठे केस में फंसा दूंगी...अश्लील फोटोग्राफ वायरल कर दूंगी,आईजी डांगी ने डीजीपी को लिखा ये खत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सीनियर आईपीएस ऑफिसर रतनलाल डांगी पर बिलासपुर की सब इंस्पेक्टर की पत्नी ने यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाये हैं। मामले में बिलासपुर आईजी रतनलाल डांगी ने पुलिस महानिदेशक को लेटर लिखकर ब्लैकमेल की शिकायत की है। इस पत्र में कई बिंदुओं को गिनाते हुए डीजीपी से आरोपी महिला और इस षड्यंत्र में शामिल अन्य सभी अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध भयदोहन (ब्लैकमेलिंग), मानसिक प्रताड़ना, आपराधिक धमकी, जबरन घर में घुसना एवं मानहानि जैसी उचित धाराओं के के तहत एफआईआर दर्ज कर कठोर कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है। उन्होंने लिखित शिकायत पत्र में न्याय की गुहार लगाते हुए लिखा है कि महिला एक दिन वो मेरे कार्यालय में जहर की शीशी हाथ में लेकर पहुंची एवं मुझसे मेरे तीनों बेटों और माँ की कसम खिलवाई कि मैं अपनी पत्नी से कोई संबंध नहीं रखूँगा। उसकी शर्तें थीं: मैं अपनी पत्नी के साथ न बैठूंगा, न बात करूंगा। उसे अपनी गाड़ी में कहीं नहीं ले जाऊँगा, न कोई खरीदारी कराऊँगा। उसे व्हाट्सएप्प पर ब्लॉक करूँगा, न कॉल करूँगा, न रिसीव करूँगा। उसके साथ कोई तस्वीर नहीं खिंचवाऊँगा और न ही जन्मदिन या सालगिरह मनाऊँगा। वह महिला मेरे पास साक्ष्य उपलब्ध न रहे इसलिए चैट के तत्काल डिलीट करके स्क्रीन शॉट न भेजने पर भी धमकी देती थी, इसलिए मेरे 13-10-25 के पहले के डिजिटल साक्ष्य (चैट,

तस्वीरें, वीडियो कॉल रिकॉर्डिंग आदि) उपलब्ध नहीं हैं, जिन्हें आरोपी के मोबाईल की फोरेंसिक जांच से प्राप्त किया जा सकता है। वो अपनी पत्नी के मायके नहीं जाएंगे। मैं अपनी पत्नी के कमरे में न सोकर, रात 10 बजे के बाद घर की बालकनी में सोऊँगा और वहाँ से 8 घंटे की लाइव लोकेशन भेजूँगा तथा लाइट जलाकर वीडियो कॉल पर दिखाऊँगा कि वहाँ कोई और नहीं है। सुबह 5 बजे से उसका वीडियो कॉल चालू रहेगा, जिसे केवल वही काट सकेगी। परिवार के किसी भी सदस्य, यहाँ तक कि अपने बेटों से भी बिना उसकी अनुमति के बात नहीं करूँगा। घर एवं कार्यालय के वॉश रूम जाते समय, स्नान करते समय, वर्क आउट करते समय भी विडिओ कॉल मोबाईल पर चालू रहना चाहिए जिससे यूरिन करते हुए, नहाते हुए दिखे, नहाकर तैयार होने के लिए 20 मिनट और खाना खाने के लिए 12-15 मिनट ही मिलेंगे।

महिलाओं को नाइट शिफ्ट की अनुमति

लगातार पांच घंटे से अधिक काम नहीं-सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने एक अहम फैसला लेते हुए दुकानों और कारोबारी प्रतिष्ठानों में महिलाओं को नाइट शिफ्ट में काम करने की अनुमति दे दी है। हालांकि इसके लिए उनकी लिखित सहमति जरूरी होगी। दिल्ली सरकार के श्रम विभाग की ओर से गुरुवार को इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की गई। इस अधिसूचना के मुताबिक, अब किसी भी कर्मचारी से हफ्ते में 48 घंटे से ज्यादा या दिन में 9 घंटे से ज्यादा काम नहीं कराया जा सकेगा। अगर कोई कर्मचारी ओवरटाइम करता है, तो उसे सामान्य वेतन का दोगुना भुगतान मिलेगा। सरकार ने यह भी साफकिया है कि

जिन प्रतिष्ठानों में महिलाएं नाइट शिफ्ट में काम करेंगी, वहां सुरक्षा, परिवहन और सीसीटीवी की पूरी व्यवस्था होनी चाहिए। महिलाओं के हितों की रक्षा के लिए हर संस्थान को आंतरिक शिकायत समिति बनानी होगी।

दरभंगा में बोले राजद नेता तेजस्वी

सरकार बनी तो 20 महीने में रैयाम चीनी मिल चालू होगा

दरभंगा/ एजेंसी

विधानसभा चुनाव को लेकर शुक्रवार को केवटी विधानसभा क्षेत्र स्थित रैयाम चीनी मिल परिसर में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि लालू यादव और राहुल गांधी पर भरोसा रखिए, गांव-गांव और टोला-टोला जाकर महागठबंधन के प्रत्याशियों के लिए वोट मांगिए, ताकि बिहार में महागठबंधन की सरकार बन सके। तेजस्वी यादव ने मंच से घोषणा करते हुए कहा कि हमारी सरकार बनी तो 20 महीने में

रैयाम चीनी मिल को चालू करवाऊंगा। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने पिछले 20 वर्षों में बिहार के बेरोजगारों के लिए कुछ नहीं किया। अगर उस दौरान राज्य में चीनी मिलें, पेपर मिलें और अन्य उद्योग लगाए गए होते, तो आज युवाओं को पलायन नहीं करना पड़त। तेजस्वी ने वादा किया कि महागठबंधन की सरकार बनने पर टोला सेवक, आशा, चौकीदार, रसोइया, सेविका समेत सभी कर्मियों का मानदेय बढ़ाया जाएगा और संविदा कर्मचारियों को स्थायी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो लोग हिंदू-मुस्लिम का नारा देकर जनता को बांटते हैं उन्हें हटाइए। हमें मौका दीजिए, अगर हम वादा पूरा नहीं करें तो हटा दीजिएगा। रैयाम चीनी मिल को हम 20 महीने में चालू कर दिखाएंगे, और अगर नहीं किया तो जो सजा देंगे, हम स्वीकार करेंगे।

छठ पूजा पर बिहार के यात्रियों के लिए हरियाणा से बिहार तक चलेंगी एसी बसें

चंडीगढ़। छठ पूजा के पावन अवसर पर बिहार के लोगों की सुविधा के लिए हरियाणा सरकार ने बिहार के बेगूसराय, पूर्णिया, मधुबनी पटना और गया के लिए विशेष एसी बस सेवायें शुरू की हैं। राज्य के परिवहन मंत्री अनिल विज ने बताया कि बिहार सरकार से पत्र प्राप्त हुआ था कि हरियाणा में कार्यरत बिहारवासी छठ पूजा पर बड़ी संख्या में अपने गृह राज्य जाना चाहते हैं। इस मांग को ध्यान में रखते हुए हरियाणा से बिहार के लिए विशेष बसें चलायी गयी हैं। विज ने कहा कि हरियाणा से बिहार का रूट लंबा होने के कारण यात्रियों की सुविधा के लिए एसी बसें चलायी गयी हैं। ताकि उन्हें यात्रा के दौरान आराम और सुरक्षा मिल सके।

सिवान से अमित शाह ने आरजेडी को ललकारा

100 शहाबुद्दीन भी आ जाएं तो कुछ नहीं कर पाएंगे-शाह

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को बिहार चुनाव में दिवंगत शहाबुद्दीन के बेटे, एक सजायाफ्ता अपराधी, को मैदान में उतारने के लिए राजद पर तीखा हमला किया और बिहार के सीवान में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, चाहे 100 शहाबुद्दीन आ जाएँ, कोई भी आपका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। राजद ने आगामी चुनावों के लिए सीवान के रघुनाथपुर विधानसभा क्षेत्र से शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को मैदान में उतारा है।

भाजपा के शीर्ष नेता ने सीवान के लोगों को बहादुर बताया, जिन्होंने शहाबुद्दीन के आगे कभी घुटने नहीं टेके। अमित शाह ने कहा कि 20 सालों से, ए-श्रेणी का हिस्ट्रीशीटर शहाबुद्दीन, जिसके खिलाफ लगभग 75 मुकदमे, दो बार जेल की सज़ा, तिहरे हत्याकांड, एक एसपी पर हमला... उसने एक व्यवसायी के बेटों को तेज़ाब में तब तक नहलाया जब तक उनकी खाल नहीं उतर गई। सीवान के बहादुर लोगों ने शहाबुद्दीन के आगे कभी घुटने नहीं टेके। शहाबुद्दीन के बेटे को खुद लालू प्रसाद यादव ने रघुनाथपुर से टिकट दिया है। अब, नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी के राज में, चाहे 100 शहाबुद्दीन आ जाएँ, कोई आपका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। केंद्रीय गृह मंत्री ने आगे कहा कि बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले विपक्षी दल पूरी तरह बिखर गया है।

राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला

राजद और कांग्रेस ने बिहार के भविष्य को अधर में लटकाया

पटना/र एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर समस्तीपुर और बेगूसराय में जनसभा को संबोधित किया। दोनों जनसभाओं में उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। जंगलराज का कई बार जिक्र किया। साथ ही महागठबंधन पर भी खूब बात की। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन नहीं लठबंधन है। उनके लोग आपस में ही लड़ रहे हैं। लाठियां भांज रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि जब से बिहार चुनाव की घोषणा हुई है, तब से हम एक चीज साफ साफ देख रहे हैं कि एक तरफ एनडीए है। एक सूझबूझ से भरा हुआ नेतृत्व है। वहीं दूसरी तरफ लाठियां भांज रहा महालठबंधन हैं। यह लोग कैमरे पर आकर कुछ भी बोले लेकिन पीठ पीछे एक दूसरे की खाल खींज रहे हैं। इस महागठबंधन में अटक दल है, भटक दल है, लटक दल है, झटक दल है और पटक दल है। राजद बीते दो दशक में कोई चुनाव नहीं जीता है। लेकिन, अपने अहंकार में इनके लोग अटके हुए हैं। राजद ने झामुमो को इसी अहंकार में झटक दिया। बिहार में कांग्रेस को पटक दिया। वीआईपी को भटका दिया और वामदल को अटका दिया। पीएम मोदी ने कहा कि एनडीए सरकार ने बिहार को जंगलराज से मुक्त करवाया। नौजवानों से मैं कहना चाहता हूं कि अक्टूबर 2005 में आपके माता-पिता ने आपके भविष्य के लिए बिहार को जंगलराज से मुक्त करवाया था।

एनडीए सरकार को चुना था। आपको अपने वोट की ताकत समझनी है। आपके एक वोट से ही बिहार का भविष्य तय होगा। उन्होंने लालू परिवार पर हमला बोलते हुए कहा कि वह परिवार बिहार का सबसे ज्यादा भ्रष्ट परिवार है। इसके ज्यादातर सदस्य जमानत पर बाहर निकले हैं। यह लोग जमानत पर जीने को मजबूर हैं। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस का एक परिवार है, वह देश का सबसे भ्रष्ट परिवार है। इस परिवार के लोग भी जमानत हैं। लेकिन, अब बिहार ऐसे लोगों पर भरोसा नहीं करता है। इसलिए अब एक ही नारा गूंज रहा है, नई रफ्तार से चलेगा बिहार, जब फिर गूंजेगा एनडीए सरकार। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि राजद वालों ने केवल अपने बेटे-बेटियों का भविष्य बनाया। बिहार के लाखों नौजवानों का भविष्य बर्बाद कर दिया। एक समय था जब बेगूसराय देश के प्रमुख औद्योगिक केंद्रों में से एक था। 60 के दशक में यहां फैक्ट्रियां लगीं, रोजगार के अवसर बढ़े लेकिन फिर क्या हुआ? जंगलराज आ गया। फैक्ट्रियों पर ताला लगा दिया गया। जंगलराज ने बिहार के भविष्य को अधर में लटका दिया। जिस राजद ने बिहार को पलायन का अभिशाप दिया? उसके नेता आज बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। एनडीए सरकार के लिए विकास सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

राजद का परिवार बिहार का सबसे ज्यादा भ्रष्ट परिवार है

पीएम मोदी ने कहा कि एनडीए सरकार ने बिहार को जंगलराज से मुक्त करवाया। नौजवानों से मैं कहना चाहता हूं कि अक्टूबर 2005 में आपके माता-पिता ने आपके भविष्य के लिए बिहार को जंगलराज से मुक्त करवाया था। एनडीए सरकार को चुना था। आपको अपने वोट की ताकत समझनी है। आपके एक वोट से ही बिहार का भविष्य तय होगा। साथियों, जब से बिहार चुनाव की घोषणा हुई है, तब से हम एक चीज साफसाफदेख रहे हैं कि एक तरफएनडीए है। एक सूझबूझ से भरा हुआ नेतृत्व है। वहीं दूसरी तरफलाठियां भांज रहा महालठबंधन हैं। यह लोग कैमरे पर आकर कुछ भी बोले लेकिन पीठ पीछे एक दूसरे की खाल खींज रहे हैं। इस महागठबंधन में अटक दल है।

C M Y K

16 नग गौवंश से भरी वाहन, एक आरोपी गिरफ्तार, एक विधि के साथ संघर्षरत बालक भी शामिल

बेमेतरा। पुलिस ने 16 नग गौवंश से भरी वाहन सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है साथ में एक विधि के साथ संघर्षरत बालक भी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि प्रार्थी विवेक शुक्ला उम्र 46 साल ग्राम नांदघाट थान नांदघाट जिला बेमेतरा ने एक लिखित आवेदन पत्र प्रस्तुत कर 20 अक्टूबर को रिपोर्ट दर्ज कराया कि 19.10.25 को रात में इसे सूचना मिला कि एक आईसर वाहन क्रमांक सी जी 15 डी जेड 8001 में बहुत सारे गौवंश पालतु पशुओं को रस्सी से बांधकर बिना चारा पानी भुसा दिये बिना ठुस ठुस कर वाहन में क्रुरतापूर्वक भरकर परिवहन करते कत्लखाना ले जा रहे है। यह जाकर देखा तो आईसर क्रमांक सी जी 15 डी जेड 8001 में 11 नग गाय 05 नग बछड़ा/बछिया कुल 16 नग गौवंश पालतु पशुओं को आईसर वाहन का चालक मनोज कुमार यादव पिता स्व. हीरा यादव उम्र 36 साल ग्राम बडाटोला, थाना जगदीशपुर जिला भजपुर (बिहार) एवं उसका एक हेल्पर द्वारा आईसर वाहन आईसर क्रमांक सीजी 15 डी जेड 8001 में 11 नग गाय 05 नग बछड़ा/बछिया कुल 16 नग गौवंश पालतु पशुओं को रस्सी से बाधकर बिना चारा पानी भुसा दिये बिना ठुस ठुस कर वाहन में क्रुरतापूर्वक भरकर परिवहन करते कत्लखाना ले जा रहे थे कि रिपोर्ट पर थाना नांदघाट में अपराध सदर धारा छ.ग. कृषक पशु परि.अधि. 2004 की धारा 4,6,10, पशुओ के प्रति क्रुरता का निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11, (घ) पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त घटना के संबंध में अधिकारियो को अवगत कराया गया। जिस पर पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू ने तत्काल आरोपी के विरूध्द्ध आवश्यक कार्यवाही करने निर्देश दिये। जिसके तहत अति. पुलिस अधीक्षक ज्योति सिंह एवं एसडीओपी बेमेतरा कौशिल्या साहू के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नांदघाट निरीक्षक लेखराम ठाकुर को अपराध विवेचना हेतु थाना स्टाफ के साथ लगाया गया। प्रकरण में घटना में प्रयुक्त उक्त आईसर वाहन आईसर क्रमांक सीजी 15 डीजेड 8001 में 11 नग गाय, 05 नग बछड़ा/बछिया कुल 16 नग गौवंश एवं 01 नग मोबाईल, कुल जुमला किमती 5,50,000/- रूपये को जप्त किया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान आरोपी मनोज कुमार यादव पिता स्व. हीरा यादव उम्र 36 वर्ष, ग्राम बडाटोला,थाना जगदीशपुर, जिला भजपुर, बिहार को 20 अक्टूबर 2025 को न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया एवं एवं एक विधि के साथ संघर्षरत बालक को न्याय किशोर बोर्ड न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी नांदघाट निरीक्षक लेखराम ठाकुर, प्रधान आरक्षक यागेश्वर देशमुख, प्रधान आरक्षक खुलेश्वर गायकवाड, विजय शुक्ला, आरक्षक संजय साहू, प्रताप यादव, आकाश राजपूत, रूपेन्द्र वर्मा, देवनारायण साहू, अजय गोयल एवं अन्य स्टाफ व गौ सेवको की महत्वपूर्ण भुमिका रही।

बाराद्वार थाना प्रभारी नरेंद्र यादव की अवैध शराब कोचियो के विरुद्ध कार्रवाई

सक्ति। पुलिस थाना बाराद्वार के नव पदस्थ टी आई नरेंद्र यादव ने अवैध शराब कोचियों के खिलाफ ताड बतोड़ करवाई प्रारंभ कर दी है, थाना बाराद्वार जिला सक्ती (छग) में अवैध शराब कोचियो के विरूध्द बाराद्वार पुलिस द्वारा ताबातोड़ कार्यवाही कर प्रकरण में 01 आरोपी से 09 लीटर कच्ची महुआ शराब जप्त किया गय है एवम अपराध क्रमांक 265/25 धारा 34(2)आब. एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है, आरोपी रूपनारायण गोंड पिता साधन सिंह गोंड उम्र 50 साल निवासी गुड़ेराडीह थाना बाराद्वार जिला सक्ती (छ.ग.) है, थाना बाराद्वार क्षेत्र मे चल रहें अवैध जुआ/सटटा, अवैध गांजा व शराब बिक्री एवं परिवहन करने वाले आपराधियों पर अकुंश लगाने हेतु उच्चाधिकारियों के द्वारा अधिक से अधिक कार्यवाही करने की निर्देश पर थाना प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र यादव थाना प्रभारी बाराद्वार द्वारा मुखबीर की सूचना पर ग्राम करारी गुड़ेराडीह में टीम बनाकर रेड कार्यवाही कर आरोपी रूपनारायण गोंड पिता साधन सिंह उम्र 50 साल निवासी गुड़ेराडीह थाना बाराद्वार जिला सक्ती (छ.ग.) कब्जे से 09 लीटर कच्ची महुआ शराब भरी हुई कीमति 900/- रूपये को जप्त किया गया जिसे आबकारी एक्ट के तहत विधिवत कार्यवाही कर आरोपी को गिरफ्तार क्या गया, उक्त कार्यवाही मे निरीक्षक नरेंद्र यादव, प्रआर. मनीष राजपूत, आर. योगेश राठौर व समस्त बाराद्वार स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

ग्राम पंचायत देवगई में गोवर्धन पूजा का आयोजन किया गया

रामानुजगंज। जनपद पंचायत रामचंद्रपुर के ग्राम पंचायत देवगई में गोवर्धन पूजा का आयोजन आदर्श गौ सेवा संस्थान मे पारंपरिक तरीके से गौ माता का पूजा अर्चना कर प्रसाद वितरण किया गया। पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान श्री कृष्ण ने अपनी छोटी उंगली पर गोवर्धन पर्वत को उठाकर गोकुल वासियों को इंद्र के प्रकोप से रक्षा की थी। इसी घटना की स्मृति में यह पर्व मनाया जाता है। व्ही पशु चिकित्सा सह पशुधन जागृति शिविर में गौधाम संचालन के संबंध में आवश्यक जानकारी साझा करते हुए गौशाला के पशुओं का उपचार, मिनरल मिक्सचर, कैल्शियम लिक्विड औषधी तथा अन्य बीमारियों की औषधियां का वितरण कर आवश्यक टीकाकरण कार्य संपादित किया गया। साथ ही पशुधन विकास विभाग में संचालित विभिन्न जनकल्याण कारी योजनाओं में केसीसी, एफएमडी वैक्सीनेशन, एलएसडी वैक्सिनेशन की जानकारी दी गई। इस अवसर पर जिला गौ सेवा आयोग अध्यक्ष आशीष केशरी, जिला संघचालक मनोज गुप्ता, अंकित कलवार, बद्री यादव, कोषाध्यक्ष आनंद चौबे, रामानुजगंज भाजपा मंडल अध्यक्ष सीताराम गुप्ता, उपाध्यक्ष धर्म प्रकाश केशरी, जनपद सदस्यों में राजकुमार गुप्ता, अशर्फी यादव, अनोज यादव, पशुधन विभाग से डा.एस.एस.सेंगर, डॉ.एम. एस.मरकाम, शशांक केशरी जसु सहित अन्य धर्म स्वालंबी लोग उपस्थित रहे।

हवाई फायरिंग के बीच ठुमके : पिंडरा में युवकों का एयरगन डांस वीडियो वायरल

कानून-व्यवस्था पर सवाल

बलरामपुर। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत पिंडरा का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में कुछ युवक चली समियाना में गोली के गाने में एयर गन लेकर डांस करते नजर आ रहे हैं। हालांकि यह वीडियो कब का है, इसकी पुष्टि अभी नहीं हो पाई है, लेकिन सोशल मीडिया पर इसके वायरल होते ही लोग इसे लेकर कड़ी नाराजगी जाता रहे हैं और लोग कह भी रहे हैं कि अगर कहीं गोली लग जाए तो बड़ी अनहोनी हो सकती है। जिस तरीके से वीडियो में गोली फायर हो रही है उसको देखकर लोग दहशत में है और वीडियो में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि तीन से चार युवक एयर गन हाथ में लिए हुए डांस कर रहे हैं। वहीं एक युवक तो भीड़ के बीच हवाई फायरिंग करते भी नजर आ रहा है। इस तरह की हरकतों को लेकर लोग सोशल मीडिया पर युवकों की कड़ी आलोचना कर रहे हैं। इस प्रकार के कृत्य असामाजिक प्रवृत्तियों को बढ़ावा देते हैं और इससे कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े होते हैं।

युवा सिविल इंजीनियर की एक्सीडेंट में मौत, दिवाली में इकलौते चिराग की मौत से मातम

डोंगरगांव नगर। ब्लॉक के ग्राम बिजेभाठा के मूलनिवासी नितिन साहू उर्फ राजा, 30 वर्ष की सड़क दुर्घटना में दुखद मौत हो गई। वे सिविल इंजीनियर थे, तथा फिलहाल राजनांदगाँव में निवासरत थे।

सूत्रों के मुताबिक कंस्ट्रक्शन साइड देखने जाने के समय दुर्घटना में उनकी मौत हो गई। दिवाली के समय परिवार के इकलौते चिराग की मौत से परिवार में मातम छा गया है। बुधवार को अंत्येष्टि की खबर है। सूत्रों की माने तो युवा सिविल इंजीनियर नितिन कांकेर के नरहरपुर समीप कंस्ट्रक्शन साइड देखने जा रहे थे, इसी दरम्यान उनकी बाईक विद्युत पोल से टकरा गई। इस घटना में नितिन की घटनास्थल पर हो मौत हो जाने की खबर है। नितिन की शादी 3 वर्ष पूर्व ही हुई थी, वे इन दिनों राजनांदगाँव में निवासरत थे। युवा इंजीनियर की मौत से परिवार में मातम छा गया है, तो वहीं गृहग्राम बिजेभाठा डोंगरगांव में शोक व्याप्त हो गया है।

डाइट का अभावः प्रशिक्षण केन्द्र के बिना शिक्षक जगत अधूरा

जैजैपुर। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शिक्षा जगत का भाग्य विधाता कहे जाने वाले मार्गदर्शक जिसे डाइट के नाम से जाना जाता है। डाइट में वे विद्यार्थी भाग लेते हैं जो शिक्षा के क्षेत्र को आगे बढ़ाने का कार्य करते हैं जबकि दूसरे जिले में जाकर डाइट का प्रशिक्षण हमारे शक्ति जिले के लोग ले रहे हैं। जिसमें जांजगीर एवं बिलासपुर डाइट का शरण लेना पड़ता है। शिक्षा को बढ़ाने के लिए विद्यालय में इसकी आवश्यकता होती है जो प्रशिक्षण प्राप्त करके आते हैं उन्हें ही शिक्षण कार्य का अनुभव है, अच्छे से शिक्षा देने के लिये डाइट कि आवश्यकता है। जहां पर शक्ति जिले को 2 वर्ष जिला बने हो गया है लेकिन अभी भी शक्ति जिले में डाइट का अभाव है। प्रशिक्षण के लिए हमारे यहां के लोगों को अन्य जगह प्रशिक्षण के लिए जाना पड़ता है। छत्तीसगढ़ शासन के मंत्रियों को भी ध्यान देना चाहिए कि शक्ति में डाइट खोला जाए जब हमारे वरिष्ठ पत्रकार धनेश्वर साहू ने उनके बारे में जानकारी लिया तो डाइट के बिना शिक्षा जगत अधूरा है। सक्ती जिला डाइट के बिना अधूरा महसूस हो रहा है। इसलिए छत्तीसगढ़ शासन को शक्ति में डाइट प्रशिक्षण संस्था खोला जाए ताकि शिक्षक वहां से ट्रेनिंग ले सकें, शिक्षक ही सभी दिशाओं का ज्ञान देते हैं जिन्हें गुरु के नाम से जाना जाता है। जबकि सक्ती जिला एवं जांजगीर जिला में कांग्रेस के विधायक हैं, उसके उपरांत विधायक लोग भी ध्यान शक्ति के लिए नहीं दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री को भी ध्यान देना चाहिए ताकि वहां पर उनकी भाजपा पार्टी के विधायक बन सके इसलिए शक्ति में डाइट परीक्षण केंद्र खोला जाए और अपनी पाटी को आगे सक्ती जिला में ला सके। शिक्षा जगत की महत्व को आगे बढ़ा सके जिनमे खेलकूद एवं विविध कार्यक्रमों से हमारे शक्ति जिला के शिक्षक पारगत हो सके। जो अच्छे गुरु होने का यह मूल मंत्र है।

कलेक्टर विलास भोसकर की अध्यक्षता में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक संपन्न

अम्बिकापुर। कलेक्टर विलास भोसकर ने बुधवार को जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक ली। बैठक में आगामी 01 नवम्बर को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में जिले में आयोजित किए जाने वाले 02 से 04 नवम्बर तक तीन दिवसीय राज्योत्सव के तैयारियों पर समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी विभाग जिन्हें दायित्व सौंपे गए हैं, वे समय सीमा में सम्पूर्ण तैयारी सुनिश्चित कर लें। कलेक्टर ने स्टॉल निर्माण, मंच निर्माण, साज-सज्जा, लाईट, साउंड सिस्टम, पेयजल, चलित शौचालय, सुरक्षा व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, सांस्कृतिक कार्यक्रमों आदि के सम्बन्ध में जानकारी ली तथा गरिमामयी आयोजन हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 हेतु 15 नवम्बर से प्रारंभ होने वाले धान खरीदी के सम्बन्ध में कलेक्टर भोसकर ने कहा कि खरीदी शुरू होने से पूर्व सभी तैयारियां सुनिश्चित कर ली जाएं, खरीदी केंद्रों में किसानों हेतु सभी व्यवस्था हो। उन्होंने कहा कि धान खरीदी हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, इस कार्य में किसी तरह की लापरवाही ना हो। इस दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रगति की समीक्षा की गई, उन्होंने सर्व जनपद पंचायत सीईओ को जल्द से जल्द निर्माणाधीन आवासों को पूर्ण कराए जाने निर्देशित किया।

इस दौरान विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल, राम सिंह ठाकुर, सभी एसडीएम एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्योत्सव 2025 के सफल आयोजन हेतु नोडल अधिकारी व सहायक नोडल अधिकारी किया गया नियुक्त

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय रायपुर द्वारा 02 से 04 नवंबर 2025 तक जिला स्तर पर राज्योत्सव का आयोजन स्टेडियम ग्राउंड सूरजपुर किया जाना है। राज्योत्सव के सफल आयोजन के लिए जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजेन्द्र पाटले को नोडल अधिकारी व अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। राज्योत्सव की आवश्यक तैयारी के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों के मध्य कार्य विभाजन कर उनके दायित्वों को सौंपा गया है।

सक्ति जिले का गौरव बना गुरुवचनन सिंह

सक्ती। कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने कलेक्टर कार्यालय के कर्मचारी और पावरलिफ्टर गुरुवचन सिंह कंवर को धमतरी के नगरी में आयोजित पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में दो गोल्ड मेडल जीतने पर अपने कार्यालय कक्ष में सम्मानित किया। सिहावा नगरी, जिला धमतरी में सीनियर पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन छत्तीसगढ़ द्वारा बेंचप्रेस, डेडलिफ्ट एवं पावरलिफ्टिंग की प्रतियोगिता आयोजित की गई। पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में मास्टर 1 श्रेणी में पावरलिफ्टर गुरुवचन सिंह (प्रिंस) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के विभिन्न श्रेणी में गुरुवचन ने कुल दो गोल्ड मेडल अपने खाते में दर्ज कराया है। उन्होंने 160 किलोग्राम डेडलिफ्ट में प्रथम स्थान तथा बेंच प्रेस पर 107.5 किलोग्राम बेंच प्रेस कर गोल्ड मेडल जीते। कलेक्टर ने पावरलिफ्टर गुरुवचन सिंह के उज्जवल भविष्य की कामना की है। इसी तरह उक्त प्रतियोगिता में अखिलेश सिंह कंवर ने डेडलिफ्ट में सिल्वर मेडल अपने खाते में अर्जित किया है और अर्जुन निराला डेडलिफ्ट में गोल्ड मेडल और दिपांकर पटेल ने विभिन्न वर्ग में कुल तीन गोल्ड मेडल जीता।

छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस पर तीन दिवसीय राज्योत्सव का आयोजन

स्थानीय कलाकार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के लिए कर सकते हैं आवेदन

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 2 से 4 नवम्बर तक जिला मुख्यालय अम्बिकापुर में तीन दिवसीय राज्योत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस दौरान राज्य की संस्कृति, परंपरा और गौरव को दर्शाने वाले विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम में स्थानीय स्तर पर निवासरत कलाकारों द्वारा बैंड, संगीत, लोक नृत्य, लोक गीत तथा अन्य पारंपरिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। राज्योत्सव का उददेश्य स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देना और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाना है। राज्योत्सव में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी या समूह अपने प्रस्तुतीकरण हेतु एपीसी, समग्र शिक्षा (सर्व शिक्षा अभियान) कार्यक्रम में शामिल होने वाले कलाकारों की फाइनल प्रस्तुति 30 अक्टूबर को आयोजित की जाएगी। चयनित प्रस्तुतियां राज्योत्सव के मुख्य मंच पर प्रदर्शित की जाएंगी।

जिले के 05 पी.एम. केयर्स बच्चों से मिले कलेक्टर, उत्साहवर्धन किया और दी दीपावली की शुभकामनाएं

सूरजपुर। जिले के कलेक्टर एस. जयवर्धन ने कोरोना महामारी के दौरान अनाथ हुए पांच बच्चों से मुलाकात की, जो प्रधानमंत्री केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के लाभार्थी हैं। कलेक्टर ने बच्चों से आत्मीय वार्तालाप करते हुए उनके शिक्षा, स्वास्थ्य और देखभाल की जानकारी ली। मुलाकात के दौरान कलेक्टर ने सभी बच्चों को कलेक्टर कार्यालय का भ्रमण कराया और दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं एवं सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने, जीवन में आगे बढ़ने और समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनने के लिए प्रोत्साहित किया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत कोरोना काल में अपने माता-पिता दोनों को खोने वाले बच्चों की समुचित देखभाल, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक बच्चे के नाम पर कलेक्टर के साथ संयुक्त खाते में 10 लाख की राशि जमा की गई है। 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने के बाद बच्चों को इस राशि का ब्याज लगभग 5,000 रुपये से 6,000 रुपये प्रतिमाह प्राप्त हो रहा है, जबकि 23 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर उन्हें मूल राशि 10 लाख रूपये प्रदान की जाएगी, जिससे उनके आत्मनिर्भर जीवनयापन में सहायता मिल सके। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजेंद्र पाटले, जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभम बंसल, जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल, लेखापाल वरुण सैंदाणे तथा सामाजिक कार्यकर्ता अंजनी साहू उपस्थित रहीं।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रिक्त पद पर भर्ती हेतु 30 अक्टूबर तक कर सकते हैं आवेदन

अम्बिकापुर। बाल विकास परियोजना अम्बिकापुर (ग्रामीण) के परियोजना अधिकारी ने बताया कि भगवानपुर सेक्टर के ग्राम कुल्हाड़ी के आंगनबाड़ी केन्द्र कुल्हाड़ी खास में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के पद पर भर्ती हेतु 30 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस हेतु केवल महिला ही आवेदन कर सकती हैं। इसके लिए आयु सीमा आवेदिका की आयु 18 से 44 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। वे अपना आवेदन पत्र परियोजना कार्यालय अम्बिकापुर (ग्रामीण) से प्राप्त कर निर्धारित अंतिम तिथि तक परियोजना कार्यालय (ग्रामीण) में पंजीकृत डाक अथवा स्वयं उपस्थित होकर आवेदन पत्र जमा कर सकते हैं।

15 अक्टूबर से 19 नवम्बर तक शौचालय विहीन परिवारों के यहां नवीन व्यक्तिगत शौचालयों का किया जा रहा स्वीकृत

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन एवं सीईओ ज़िला पंचायत विजेंद्र पाटले के मार्गदर्शन में स्वच्छ संकल्प अभियान 15 अक्टूबर से 19 नवम्बर तक शौचालय विहीन परिवारों के यहां नवीन व्यक्तिगत शौचालय स्वीकृत किया जाना है। जिले के समस्त जनपदों में यह अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत रामानुजनगर से 105, भैयाथान से 45, सूरजपुर से 31 और ओड़गी से 15 इस प्रकार कुल 196 शौचालय विहीन परिवारों को व्यक्तिगत शौचालय की स्वीकृति प्रदाय की गई।

दांपत्य ने किया जहर सेवन खतरे से बाहर, जैजैपुर क्षेत्र में अब जहर पीना बन गया मजाक

जैजैपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैजैपुर में पति पत्नी ने जहर सेवन कर ईलाज कराने आये। जहां पर उनका उपचार किया जा रहा है आज छोटी-छोटी बातों को लेकर जहर पीने का कार्य किया जा रहा है हर घर में लोग खेती किसानी के लिए कीटनाशक रखें हैं जो आसानी से हर गांव गली गली में मिल रहा है जिनका फायदा तो लोग बड़े खूबी से उठाते हैं लेकिन यह नहीं सोचते कि 40 वर्ष के उपरांत उनके जीवन में क्या असर पड़ेगा। गांव में उनकी कि तरह से कदर होगी। यह मामला ग्राम खजुरानी का बताया जा रहा है जिसमें कौशल प्रसाद चंद्रा एवं उसकी धर्मपत्नी राजेश्वरी चंद्रा ने छोटी-छोटी बातों को लेकर जहर पी लिए, जो स्वास्थ्य के साथ क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। आज जहर का सेवन प्रेमी प्रेमिका तो करते हैं लेकिन अब पति-पत्नी में ही जहर पीने का सिलसिला शुरू हो गया है क्योंकि गांव-गांव में कीटनाशक दवाई एवं घर-घर में कीटनाशक दवाई मिल रही है ।जब हमारे संवाददाता ने पति-पत्नी से जहर पीने का कारण पूछना चाहा तो उन्होंने जवाब देना उचित नहीं समझा।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद की कमर टूट चुकी है और पिछले 22 महीनों में हमारे जवान मजबूती से लड़ाई लड़ रहे हैं: सीएम साय

रायपुर। नक्सलवाद को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के दिए गए बयान पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पलटवार किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद की कमर टूट चुकी है और पिछले 22 महीनों में हमारे जवान मजबूती से लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब हमारी सरकार बनी थी तब छत्तीसगढ़ में 70 प्रतिशत से ज्यादा नक्सलवाद बचा था। कांग्रेस अगर अच्छे से 5 साल केंद्र का सहयोग करती, तो बस्तर में नक्सली नहीं बचते। इसके अलावा उन्होंने अन्य मुद्दों पर बयान दिया है। दरअसल, बगिया गांव से राजधानी रायपुर लौटते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि रजत जयंती वर्ष में होने वाले स्थापना दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छत्तीसगढ़ आएंगे। इस दौरान नए विधानसभा भवन का लोकार्पण और न्यू ट्राइबल म्यूजियम का उद्घाटन भी प्रधानमंत्री करेंगे। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर भूपेश बघेल के दिए गए बयान पर सीएम साय ने कहा कि भूपेश बघेल पिछले वर्षों में कई जगहों पर चुनाव प्रभारी रहे हैं। हर बार जीत का दावा किया, मगर देश ने परिणाम देखा है। बता दें कि नक्सलवाद को लेकर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने बयान देते हुए कहा कि विकास, विश्वास, सुरक्षा योजना हमारी थी, तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने सबका विश्वास बस्तर में जीता था, अबूझमाड़ क्षेत्रों में पट्टा वितरण किया गया था, जब विश्वास जीता तो नक्सलवाद कम हो गया, इसलिए हमने 600 गांव खाली करा दिया था, यही नीति ने नक्सलवाद की कमर को तोड़ा है। साथ ही उन्होंने नक्सलवाद को खत्म करने के डेडलाइन पर कहा कि नक्सलियों की एक घटना से दहशत फैल जाती है। आतंक का प्रभाव पूरी दुनिया में पड़ता है, नक्सलियों को जो समझते है, उनपर अध्ययन कर चुके है वह जानते है, इसलिए इस डेडलाइन पर विश्वास नहीं।

हरदी गाँव के घर में पति पत्नी के शव मिलने का प्रकरण मर्ग पंजीबद्ध अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ

रायपुर। थाना मगरलोड अंतर्गत पुलिस चौकी करेलीबड़ी क्षेत्र के ग्राम हरदी में पत्नी की हत्या एवं उसके पति द्वारा आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए मौके पर पहुँचकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की है। घटना का संक्षिप्त विवरण : दिनांक 20.10.2025 की रात्रि लगभग 11.00 बजे, ग्राम हरदी निवासी श्रीमति लक्ष्मी यादव (उम्र 20 वर्ष) अपने पति हितेश यादव (उम्र 22 वर्ष) के साथ अपने घर के कमरे में सोने गई थी। अगली सुबह 21.10.2025 को लगभग 07.00 बजे, जब दोनों दरवाजा नहीं खोल रहे थे, तो मृतका के जेठ गितेश्वर यादव ने आवाज लगाई और अंदर से कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर सीढ़ी लगाकर कमरे के वेंटिलेशन से झाँका। अंदर देखा तो लक्ष्मी यादव का शव ज़मीन पर पड़ा हुआ था तथा पति हितेश यादव फांसी के फंदे पर झूल रहे थे। परिजनों द्वारा तुरंत दरवाजा खोलकर दोनों को नीचे उतारा गया, तब तक दोनों की मृत्यु हो चुकी थी। पुलिस कार्यवाही : सूचना पर पुलिस चौकी करेलीबड़ी की टीम एवं एफएसएल. की टीम तत्काल मौके पर पहुँचकर मर्ग कायम कर विवेचना की कार्यवाही की गई। मृतका लक्ष्मी यादव पत्नी होने से कार्यपालिक दण्डाधिकारी की उपस्थिति में शव पंचनामा कर शार्ट पीएम रिपोर्ट के आधार पर मृतका लक्ष्मी यादव की मृत्यु गमछा से गला घोंटने के कारण हत्यात्मक प्रकृति की है। जिसके आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 172/2025, धारा 103(1) बीएनएस. के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।? पति हितेश यादव की मृत्यु के संबंध में : मृतक हितेश यादव पिता रघुनाथ यादव (उम्र 22 वर्ष) की मृत्यु साड़ी के फंदे से फांसी लगाकर आत्महत्या करने से हुई।

छत्तीसगढ़ में 1,390 करोड़ रुपए से अधिक के चार नए मेडिकल कॉलेजों समेत छह निर्माण कार्यों को मंजूरी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र को नई दिशा देते हुए एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। राज्य में चार नए शासकीय मेडिकल कॉलेजों सहित कुल छह महत्वपूर्ण निर्माण परियोजनाओं के लिए निविदा दरों को अनुमोदित किया गया है। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीजीएमएससी) की नया रायपुर स्थित मुख्यालय में आयोजित 51वीं संचालक मंडल बैठक में इन परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई। इन परियोजनाओं की कुल लागत 1,390 करोड़ रुपए से अधिक है। इस निर्णय के बाद राज्य में स्वास्थ्य शिक्षा और उपचार सेवाओं के विस्तार को नई गति मिलेगी। बैठक में चार नए मेडिकल कॉलेजों की भवन निर्माण परियोजनाओं के लिए मनेंद्रगढ़ मेडिकल कॉलेज के लिए 323.03 करोड़, कबीरधाम मेडिकल कॉलेज के लिए 318.27 करोड़, जांजगीर-चांपा मेडिकल कॉलेज के लिए 318.27 करोड़ और गीदम मेडिकल कॉलेज के लिए ?326.53 करोड़ की निविदा दर की स्वीकृति दी गई है।

सुशासन की नई पहल

समयबद्ध छात्रवृत्ति से शिक्षा की राह हुई आसान-सीएम साय

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की विशेष पहल पर राज्य के शैक्षणिक संस्थानों, आश्रम-छात्रावासों और तकनीकी एवं प्रोफेशनल पाठ्यक्रम में पढ़ाई करने वाले अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को शिष्यवृत्ति एवं छात्रवृत्ति का भुगतान निर्धारित समय-सीमा में उनके बैंक खाते में ऑनलाईन होने से अब उक्त वर्ग के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा की राह आसान हो गई है। मुख्यमंत्री श्री साय ने हाल ही में मंत्रालय, महानदी भवन से इन वर्गों के लगभग 2 लाख विद्यार्थियों के बैंक खातों में 84.66 करोड़ रूपए की शिष्यवृत्ति एवं छात्रवृत्ति ऑनलाईन अंतरित की है। उल्लेखनीय है कि विद्यार्थियों को शिष्यवृत्ति और छात्रवृत्ति ऑनलाईन भुगतान की शुरूआत मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के हाथों पहली बार 10 जून 2025 को हुई। राज्य में संचालित सभी प्री. मैट्रिक छात्रावासों एवं आश्रमों में प्रवेशित बच्चों को शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने के पूर्व ही शिष्यवृति की प्रथम किश्त राशि 77 करोड़ रूपए एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रावासों में अध्ययनरत छात्रों हेतु भोजन सहाय की प्रथम किश्त के रूप में राशि 8.93 करोड़ रूपए, इस प्रकार कुल 85 करोड़ रूपए की राशि जारी कर एक अभिनव पहल की गई थी। इसके ठीक बाद दूसरे चरण में 17 जून 2025 को 8370 विद्यार्थियों को छात्रवृति की राशि 6.2 करोड़ रूपए का ऑनलाइन अंतरण किया गया था। मुख्यमंत्री श्री साय के हाथों आश्रम-छात्रावासों के 1 लाख 86 हजार 50 विद्यार्थियों को शिष्यवृति की द्वितीय किश्त की राशि 79 करोड़ 27 लाख रूपए एवं पो. मैट्रिक छात्रवृत्ति के 12 हजार 142 विद्यार्थियों को 5 करोड़ 38 लाख 81 हजार रूपए उनके बैंक खातों में राशि अंतरित की गई है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने शिक्षा को सबके लिए आसान बनाने के उद्देश्य से अनुसूचित जाति, जनजाति व पिछड़ा वर्ग तथा कमजोर वर्गों के छात्र-छात्राओं की शिक्षा चिंता की और उन्होंने आदिमजाति,

अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्प संख्यक कल्याण विभाग द्वारा संचालित आश्रम - छात्रावास में रहकर शिक्षा अध्ययन कर रहे के बच्चों के शिक्षा को आसान बनाने के लिए यह नयी पहल की है। आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम के नेतृत्व और विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणी बोरा के गहन प्रयासों से कमजोर वर्गों के विकास एवं उन्हें विकास की मुख्यधारा में लाने बिना रूकावट के शिक्षा ग्रहण हेतु सुविधा प्रदान करने का यह प्रयास सार्थक हो रहा है। आदिम जाति कल्याण विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा के प्रयासों से प्री. मैट्रिक, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति तथा शिष्यवृत्ति भुगतान के लिए नयी व्यवस्था में माह जून, सितंबर, अक्टूबर एवं दिसंबर में विद्यार्थियों को अब ऑनलाईन भुगतान किया जा रहा है। इस पहल से विद्यार्थियों को शैक्षणिक अध्ययन के दौरान होने वाली आर्थिक समस्या से निजात मिली है। यहां यह उल्लेखनीय है कि इस नयी व्यवस्था से पूर्व विद्यार्थियों को दिसंबर एवं फरवरी-मार्च में वर्ष में एक बार छात्रवृति एवं शिष्यवृति की राशि प्रदान की जाती थी। दरअसल आश्रम छात्रावास में रहकर शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थी हो या यहां रहकर अध्ययन कर चुके विद्यार्थी हो अथवा आश्रम छात्रावासों में रहकर उच्च पदों में कार्य कर रहे विद्यार्थी क्यों न हो। वे समय पर स्कॉलरशिप नहीं मिलने के कारण की परेशानियों से भलीभांति वाकिफ हैं। वास्तव में एक विद्यार्थी को अध्ययन सामग्री क्रय करने के लिए जब पैसे की जरूरत हो उस वक्त छात्रवृत्ति और शिष्यवृत्ति की राशि उनके बैंक खातों में पहुंचना बेहद महत्वपूर्ण होता है। छात्रावासी विद्यार्थियों की इस परेशानी को दूर करने के लिए प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा सहित विभागीय अमलों ने संवेदनशीलता के साथ कितनी मशक्कत की होगी यह किसी से छिपा नहीं है। इसी का परिणाम है कि विभाग आश्रम छात्रावास के बच्चों के छात्रवृत्ति के लिए की गई तय सीमा से लाखों विद्यार्थियों को लाभ मिलना लाजिमी है।

शहीद एएसपी आकाश राव की पत्नी बनी डीएसपी.......

- 9 शर्तों के साथ चंदखुरी पुलिस अकादमी में सेवाएं देंगी स्नेहा गिरिपुंजे

रायपुर। संवाददाता

नक्सल प्रभावित सुकमा में हुए आईईडी ब्लास्ट में एडिशनल एसपी आकाश राव गिरिपुंजे शहीद हुए थे. शासन की ओर से अब उनकी पत्नी स्नेहा गिरिपुंजे को अनुकंपा नियुक्ति देते हुए डीएसपी बनाया गया है। डीएसपी के तौर पर स्नेहा गिरिपुंजे की पहली पोस्टिंग चंदखुरी पुलिस अकादमी में मिली है। चंदखुरी पुलिस अकादमी में शहीद एडिशनल एसपी की पत्नी अपनी सेवाएं देंगी। साय कैबिनेट के निर्देश पर अनुकंपा नियुक्ति और पोस्टिंग का आदेश गृह विभाग ने दो दिन पूर्व जारी किया। उनकी पहली पोस्टिंग के साथ उनके सामने 9 शर्तें रखी गई हैं। शहीद एएसपी आकाश राव गिरिपुंजे 9 जून को सुकमा जिले के कोंटा में माओवादियों के लगाए आईईडी की चपेट में आ गए थे। नक्सलियों ने जवानों को निशाना बनाने के लिए कोंटा-एर्राबोर मार्ग पर बम प्लांट किया था। इसकी चपेट में आकाश राव गिरिपुंजे आए थे। विस्फोट में एडीओपी और टीआई भी जख्मी हुए थे। 9 सितंबर को कैबिनेट निर्णय के पालन में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी अनुकंपा नियुक्ति नियमों को शिथिल करते हुए विशेष प्रकरण मानकर शहिद एडिशनल एसपी आकाश राव गिरिपुंजे की पत्नी स्नेहा गिरिपुंजे को 2 साल के प्रोविजन पर राज्य पुलिस सेवा में डीएसपी के पद पर अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करते हुए पुलिस प्रशिक्षण अकादमी चंदखुरी रायपुर में पदस्थ किया है। प्रोविजन अवधि में निर्धारित प्रशिक्षण पुलिस अकादमी द्वारा तैयार कार्यक्रम के अनुसार प्राप्त करना अनिवार्य होगा। प्रशिक्षण के पश्चात ली जाने वाली परीक्षा में अनिवार्य रूप से शामिल होकर वरिष्ठता का अंतिम रूप से निर्धारण करते समय पुलिस अकादमी द्वारा ली जाने वाली परीक्षा में प्राप्त अंकों को भी शामिल किया जा सकेगा।

तूता में फ़िलहाल धरना-प्रदर्शन की नहीं मिलेगी अनुमति

रायपुर। रायपुर अटल नगर में राज्योत्सव मैदान के सामने स्थित धरना स्थल का रखरखाव (संधारण) कार्य किया जाएगा, इस लिए धरना स्थल पर आगामी आदेश तक धरना-प्रदर्शन पर रोक लगाई है। ? एन ?आरडीए के सीईओ के पत्र के अनुसार यह काम लगभग दो महीने तक चलेगा। इस दौरान संधारण कार्य पूर्ण होने तक धरना स्थल को नगर विकास प्राधिकरण को सौंपा गया है। रखरखाव कार्य पूरा होने तक तूता धरना स्थल पर किसी भी प्रकार के धरना, प्रदर्शन या सभा का आयोजन नहीं किया जा सकेगा। यह प्रतिबंध अगले आदेश तक लागू रहेगा। इस संबंध में कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने आदेश जारी किया है। इस दौरान अधिकारी कर्मचारी अपने लोकतांत्रिक प्रदर्शन कहां करेंगे, इसके लिए जिला प्रशासन ने स्थान तय नहीं किया है।

दैवेभो कर्मचारियों को 100 दिन के भीतर नियमित करने का था वादा

साय सरकार के 2 साल बाद भी मोदी की गारंटी नहीं हुई पूरी.......

रायपुर। संवाददाता

पूर्व संसदीय सचिव छ.ग. शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बने 2 वर्ष होने को है, इन दो वर्षों में सरकार ने ऐसा कोई कार्य नहीं किया जिससे प्रदेश वासियों के जीवन में बदलाव आए। राज्य सरकार आज हर मोर्चे पर विफल हो चुकी है। कानून-व्यवस्था, गरीब, किसान, दलित और आदिवासी आज खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, और इसके लिए सरकार पूरी तरह जिम्मेदार है। श्री चंद्राकर ने कहा कि भाजपा ने घोषणा पत्र में सरकार

बनने के तुरंत बाद 57 हजार रिक्त पदों पर तथा 2 साल के भीतर 1 लाख खाली पदों पर भर्ती करने का संकल्प मोदी की गारंटी के तहत लिया था। इसके अलावा दैवेभो कर्मचारी, संविदा कर्मियों को नियमितिकरण के लिए सरकार बनने के 100 दिन के भीतर ही समीक्षात्मक प्रक्रिया आरंभ करने एवं कमेटी बनाने की बात कही थी। इस वादे पर क्रियान्वयन का आज 2 साल बाद भी अता-पता नहीं है। माह अगस्त 2025 से प्रदेश के 16 हजार से अधिक एनएचएम कर्मचारियों ने नियमितीकरण व वेतन वृद्धि जैसे मांगों को लेकर लगभग डेढ़ माह तक आंदोलन किया। सरकार ने आश्वासन देकर आंदोलन समाप्त कराया था, जिसमें शासन द्वारा कहा गया था कि 5 प्रतिशत वेतन वृद्धि के साथ हड़ताल अवधि का वेतन भी दीपावली पूर्व उन्हें प्रदान किया जाएगा। लेकिन, दीपोत्सव जैसे सबसे बड़े त्यौहार में उन्हें वेतन नहीं दिया गया। दीपावली जैसे बड़े त्यौहार पर जहाँ पूरा प्रदेश खुशियां मना रही थीं।

महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य सुधार की दिशा में उल्लेखनीय कदम

- नियद नेल्ला नार योजना के ग्रामों के बीपीएल परिवारों को मिलेगी उज्वला गैस कनेक्शन में प्राथमिकता
- खाद्य सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले ने उज्वला योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के दिए निर्देश

रायपुर। भारत सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण और परिवारों के स्वास्थ्य सुधार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 25 लाख अतिरिक्त एलपीजी गैस कनेक्शन जारी किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस निर्णय से देशभर में करोड़ों महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार और घरेलू ऊर्जा सुरक्षा को नई दिशा मिलेगी। छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत नियद नेल्ला नार योजना में चिन्हांकित ग्रामों के बीपीएल परिवारों की महिलाओं को प्राथमिकता के आधार पर नए गैस कनेक्शन प्रदान किए जाएंगे। सुशासन तिहार और नियद नेल्लानार योजना के अंतर्गत 1.59 लाख पात्र माताओं और बहनों को उज्वला योजना के तहत बीपीएल परिवारों की महिलाओं को गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए जाएंगे। छत्तीसगढ़ में उज्ज्वला योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आज खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले ने 16 अक्टूबर को तेल कंपनियों के अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण के साथ-साथ स्वास्थ्य संरक्षण को भी प्राथमिकता दे रही है। बैठक में सचिव श्रीमती कंगाले ने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत नवीन गैस कनेक्शन जारी करने की प्रक्रिया में गति और पारदर्शिता दोनों सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि राज्य में नियद नेल्लानार योजना के तहत चिन्हांकित ग्रामों में निवासरत पात्र बीपीएल परिवारों को उज्ज्वला गैस कनेक्शन में विशेष प्राथमिकता दी जाए। इन ग्रामों की महिलाओं को सबसे पहले इस योजना का लाभ मिले, ताकि विकास और सशक्तिकरण की प्रक्रिया जमीनी स्तर पर महसूस की जा सके। सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले ने कहा कि चिन्हांकित ग्रामों में विशेष शिविरों का आयोजन करें।

गोवर्धन पूजा के अवसर पर मुख्यमंत्री ने किया गौपूजन, प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मुख्यमंत्री निवास रायपुर में स्थित गौशाला में गोवर्धन पूजा के अवसर पर गौमाता की पूजा-अर्चना की और गौ माता को खिचड़ी खिलाकर गोसेवा की परंपरा निभाई। उन्होंने इस अवसर पर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की मंगलकामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गोवर्धन पूजा प्रकृति, गौवंश और पर्यावरण के प्रति आभार व्यक्त करने का पावन पर्व है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को गोवर्धन पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं दी। पूजा-अर्चना के बाद प्रसाद वितरण के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने गौशाला में सेवा कर रहे गौसेवकों को अपने हाथों से मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। उन्होंने गौसेवा के लिए उनकी सराहना करते हुए सभी से गौवंश की रक्षा एवं संरक्षण के कार्यों में आगे आने का आग्रह किया। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने गौशाला की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। गौसेवकों ने मुख्यमंत्री को बताया कि गौशाला में गौवंश की देखरेख की सभी व्यवस्था मौजूद है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गोवर्धन पूजा हमारे जीवन में प्रकृति, अन्न और पशुधन के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। गाय भारतीय संस्कृति की आधारशिला है, जो न केवल हमारे ग्रामीण जीवन से जुड़ी है, बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था और आस्था दोनों का केंद्र भी है।

वित्त मंत्री चौधरी ने किया गजमार पहाड़ के सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण

- वाच टॉवर, चिल्ड्रन एरिया और कैंटीन जैसी सुविधाओं से पर्यटकों और श्रद्धालुओं को मिलेगा

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश के वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी ने रायगढ़ के गजमार पहाड़ स्थित प्रसिद्ध हनुमान मंदिर परिसर में जारी सौंदर्यीकरण एवं अन्य विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस अवसर पर कलेक्टर रायगढ एवं डीएफओ रायगढ़ उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि शासन की योजनाओं का केवल निर्माण तक सीमित रहना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन ही असली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य जनसामान्य को वास्तविक लाभ पहुंचाना है और इसके लिए योजनाओं का धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन जरूरी है। उन्होंने कहा कि हनुमान मंदिर परिसर में हो रहे सौंदर्यीकरण कार्यों से न केवल धार्मिक पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि यह क्षेत्र धार्मिक पर्यटन के एक नए केंद्र के रूप में भी विकसित हो सकेगा। उन्होंने कहा कि गजमार पहाड़ी रायगढ़ की शान है। ऐसा स्थल शहर के बीच इतनी ऊँचाई और प्राकृतिक सौंदर्य के साथ बहुत कम जगहों पर देखने को मिलता है। वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी की पहल पर रायगढ़ जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक और आस्था का केंद्र गजमार पहाड़ी स्थित हनुमान धाम अब आधुनिक स्वरूप में इको पार्क और इको टूरिज्म स्थल के रूप में विकसित होगा। बीते दिवस वित्त मंत्री श्री चौधरी ने 08 करोड़ रुपए की लागत से यहां होने वाले विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का भूमि पूजन किया था। गजमार पहाड़ी मंदिर विकास योजना की जानकारी देते हुए डीएफओ ने कहा कि विभागीय मार्गदर्शन और सुव्यवस्थित योजना के तहत पहाड़ मंदिर को नया स्वरूप दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यहां श्रद्धालु एवं पर्यटक आसानी से ऊपर तक पहुंच सकें, इसके लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है। जिसके तहत स्वीकृत सीढ़ियों का विकास कार्य, अवेयरनेस एक्टिविटी के लिए ओपन प्लेटफार्म का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही वाच टॉवर, चिल्ड्रन एक्टिविटी एरिया, कैन्टीन, पैगोड़ा, पब्लिक वाशरुम, वाश एरिया निर्माण, यूटिलिटी एरिया, पार्किंग एवं प्रवेश स्थल का विकास कार्य, पाथ-वे निर्माण एवं प्रवेश द्वार निर्माण कार्य हो रहा है। इन सभी सुविधाओं के विकसित हो जाने पर गजमार पहाड़ी न केवल धार्मिक स्थल के रूप में, बल्कि पर्यटन और स्वास्थ्य गतिविधियों के दृष्टिकोण से भी एक आकर्षक गंतव्य बन जाएगा।

6 से 9 नवम्बर तक जशपुर में होगा जशपुर जम्बूरी 2025 का आयोजन

छत्तीसगढ़ के पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान बनेगा जशपुर जम्बूरी 2025

छत्तीसगढ़ के जशपुर में सजेगा 'जशपुर जम्बूरी 2025' — रोमांच, संस्कृति और परंपरा का अद्भुत उत्सव

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ का पर्वतीय और हरियाली से आच्छादित जिला जशपुर एक बार फिर उत्सव, संस्कृति और रोमांच का केंद्र बनने जा रहा है। यहाँ आगामी 6 से 9 नवम्बर 2025 तक आयोजित होने वाले 'जशपुर जम्बूरी 2025' में प्रदेश और देशभर से पर्यटक प्रकृति की गोद में रोमांचक अनुभवों, जनजातीय परंपराओं और सामुदायिक उत्सव के रंगों का आनंद लेंगे। यह आयोजन प्राकृतिक सौंदर्य,

जनजातीय परंपराओं और आधुनिक रोमांच का अद्भुत संगम प्रस्तुत करेगा। जशपुर अपनी प्राकृतिक सुंदरता, झरनों, पहाड़ियों और हरे-भरे जंगलों के कारण पहले से ही पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। इन चार दिनों में यह जिला उत्साह, उमंग और अनूठे अनुभवों का जीवंत मंच बन जाएगा। देशभर से आने वाले सैलानी यहां रोमांचक खेलों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और जनजातीय लोकपर्वों की रंगीन झलक का आनंद लेंगे। इस वर्ष का सबसे बड़ा आकर्षण रहेगा हॉट एयर बलून और पैरामोटरिंग शो, जिसमें प्रतिभागी मधेश्वर पहाड़ियों के ऊपर से उड़ान भरकर जशपुर की भव्यता को नई ऊँचाई से देख सकेंगे। नीले आसमान और हरी वादियों का यह संगम एक अविस्मरणीय अनुभव बनेगा। फेस्टिवल में कयाकिंग, मोटर बोटिंग और एटीवी राइड्स जैसी गतिविधियाँ रोमांच प्रेमियों को अपनी सीमाओं को परखने का अवसर देंगी। झरनों की धारा में कयाकिंग और जंगलों के बीच मिट्टी के रास्तों पर एटीवी चलाने का रोमांच हर आगंतुक के लिए यादगार रहेगा। प्रकृति प्रेमियों के लिए विशेष फॉरेस्ट ट्रेकिंग ट्रेल्स तैयार की गई हैं। घने पेड़ों के बीच, फूलों की महक और पक्षियों की चहचहाहट में चलना जशपुर की जैव विविधता से गहरा जुड़ाव कराएगा। यह पर्यावरण और पर्यटन के बीच सामंजस्य का प्रतीक है। रात्रिकालीन आयोजनों में स्टार गेज़िंग सेशन्स विशेष आकर्षण होंगे। तारों से सजे जशपुर के निर्मल आसमान में सैकड़ों नक्षत्रों को निहारने का अनुभव आगंतुकों को अद्भुत शांति और विस्मय का एहसास कराएगा।

संपादकीय

अपराध रोकने के नाम पर निर्दोषों को सजा

कानून के शासन की यह प्राथमिक जवाबदेही रही है कि अपराध पर नियंत्रण के लिए सभी स्तर पर यथोचित कदम उठाए जाने चाहिए। इसी के समांतर यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि महज आशंका के आधार पर कानून का सहारा लेकर किसी निर्दोष को परेशान करने पर सख्ती से रोक लगे। मगर ऐसे मामले अक्सर सामने आते हैं, जिसमें पुलिस सिर्फ आरोप या शक के आधार पर भी किसी को कानून के कठघरे में खड़ा कर देती है।इसके बाद शुरू होती है अदालती सुनवाई की एक लंबी और जटिल प्रक्रिया, जिसके संजाल से निकलना कई बार लोगों के लिए बेहद मुश्किल होता है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में ईसाई मत में 'सामूहिक धर्म परिवर्तन' का आरोप लगा कर कानून के कठघरे में खड़ा किए गए लोगों के खिलाफ दर्ज कई प्राथमिकियों को रद्द कर दिया। अदालत ने साफ कहा कि आपराधिक कानून निर्दोष लोगों को परेशान करने का साधन नहीं हो सकता।दरअसल, फतेहपुर में एक विश्वविद्यालय के कुलपति सहित कई अन्य लोगों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी में धर्मांतरण कराने का आरोप लगाया गया था। मगर अदालत ने पाया कि प्राथमिकी में कानूनी और प्रक्रियागत खामियां थीं और विश्वसनीय सामग्री का अभाव था। सवाल है कि अगर इस बुनियाद पर मुकदमे की सुनवाई होती तो कैसा फैसला आता? इस संबंध में अदालत ने उचित टिप्पणी की है कि ऐसे मुकदमे को जारी रखना 'न्याय का उपहास' होगा !यह छिपा नहीं है कि किसी कानून का सहारा लेकर पुलिस अगर एक निर्दोष को कठघरे में खड़ा कर देती है, तो उसके जीवन की क्या स्थिति हो जाती है। हमारे समाज में ज्यादातर लोगों को कायदे-कानून की जटिल प्रक्रिया और बारीकियों के बारे में ज्यादा कुछ नहीं मालूम होता है, लेकिन अगर वे अपनी किसी चूक या फिर किसी की ओर से निशाना बनाए जाने के बाद कानूनी जटिलताओं में फंस जाते हैं, तो उसके बाद उनका जीवन-संघर्ष मुकदमों का सामना करते हुए लंबे समय तक जारी रहता है।निश्चित रूप से अपराध से निपटने के लिए बनाए गए सख्त कानून समय की जरूरत हैं, लेकिन किसी भी स्थिति में अगर वे कानून किसी निर्दोष के उत्पीड़न और उसे परेशान करने के काम में लाए जाते हैं, तो यह एक तरह से कानून को ही ताक पर रखने जैसा होगा। एक स्वस्थ लोकतंत्र में अपराध पर काबू पाने के मकसद से बनाए गए कानूनों को निर्दोष लोगों के उत्पीड़न का साधन बनाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। अगर इसका ध्यान नहीं रखा जाता है, तो मुकदमा चलाने वाली एजेंसियों को पूरी तरह से अविश्वसनीय सामग्री के आधार पर अपनी मर्जी और कल्पना के आधार पर मुकदमा शुरू करने की छूट मिल सकती है।

अमित शाह ने सहकारिता मंत्रालय को मात्र एक विभाग नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के पुनर्जागरण का आंदोलन बना दिया। उनकी दृष्टि में सहकारिता केवल आर्थिक संरचना नहीं, बल्कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का व्यवहारिक दर्शन है। उन्होंने शक्कर कारखानों से लेकर डेयरी, कृषि-उद्योग, बीज उत्पादन और विपणन तक सहकारिता को एक नई गति दी।

अमित शाह हैं संकटमोचन, संगठन शिल्पी और लौहपुरुष

ललित गर्ग

भारत की राजनीति में कुछ नाम ऐसे होते हैं जो केवल पदों से नहीं, अपने कर्म, दृष्टि, दृढ़ता, संकल्प और राष्ट्रभावना से पहचान पाते हैं। अमित अनिलचंद्र शाह ऐसा ही एक नाम है-संघर्षों में तपे, संगठन के शिल्पी और राष्ट्र की सुरक्षा एवं एकता के प्रहरी। एक प्रभावशाली और कुशल राजनीतिज्ञ के रूप में, अमित शाह का भारतीय राजनीति में एक प्रमुख स्थान है। गृह एवं सहकारिता मंत्री के रूप में उन्होंने भारत की आंतरिक सुरक्षा, सामाजिक एकता और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में जो क्रांतिकारी एवं युगांतकारी कार्य किए हैं, वे उन्हें हमारे समय का 'लौहपुरुष' सिद्ध करते हैं-सरदार वल्लभभाई पटेल की परंपरा के सच्चे उत्तराधिकारी। निश्चित ही शाह एक युगांतरकारी एवं युग-निर्माता लोकनायक हैं। उन्हें अक्सर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करीबी सहयोगी, कुशल शासक और पार्टी के लिए एक प्रमुख चुनावी रणनीतिकार माना जाता है। एक किशोर के रूप में, वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में शामिल हो गए। यहीं से उनके राजनीतिक सफर की शुरुआत हुई। 1987 में वह भाजपा के युवा मोर्चा के सदस्य बने। गुजरात में नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान, अमित शाह एक शक्तिशाली नेता के रूप में उभरे। उन्होंने कई महत्वपूर्ण मंत्रालय संभाले, जिनमें गृह, कानून और न्याय और परिवहन शामिल थे।

अमित शाह ने सहकारिता मंत्रालय को मात्र एक विभाग नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के पुनर्जागरण का आंदोलन बना दिया। उनकी दृष्टि में सहकारिता केवल आर्थिक संरचना नहीं, बल्कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का व्यवहारिक दर्शन है। उन्होंने शक्कर कारखानों से लेकर डेयरी, कृषि-उद्योग, बीज उत्पादन और विपणन तक सहकारिता को एक नई गति दी। देश के पहले राष्ट्रीय सहकारिता नीति मसौदे की तैयारी, पीएसी के डिजिटलीकरण और 200,000 प्राथमिक कृषि साख समितियों को मल्टी-डायमेंशनल मॉडल में बदलने की दिशा में उनका काम ऐतिहासिक है। उनके नेतृत्व में सहकारिता अब आत्मनिर्भर भारत की रीढ़ बन चुकी है, जहाँ किसान केवल उत्पादक नहीं, बल्कि साझेदार हैं। अमित शाह ने सहकारिता को नई भाषा दी- सहकार से समृद्धि।

भारत के भीतरी हिस्सों में दशकों से नक्सलवाद ने भय, असुरक्षा और विकासहीनता का माहौल बनाया था। अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 'समग्र रणनीति' के तहत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में निर्णायक कार्रवाई की। कानून-व्यवस्था, खुफिया सूचना और स्थानीय विकास के त्रिस्तरीय ढांचे पर आधारित इस नीति ने नक्सलवाद को जड़ों से हिला दिया। आज भारत के 90 प्रतिशत से अधिक नक्सल क्षेत्र शांति के मार्ग पर लौट रहे हैं, निकट भविष्य में भारत नक्सल मुक्त राष्ट्र बन जायेगा, यह अमित शाह की सूझबूझ, संकल्प और दृढ़ता का परिणाम है। उनका विश्वास रहा-गोलियों से नहीं, विकास और संवाद से आतंक मिटाया जा सकता है। उनकी अलग कार्यशैली की झलक अध्यक्ष बनने के बाद से ही पार्टी को दिखने लगी थी। अमित शाह का नाम जम्मू-कश्मीर के

इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। उनकी रणनीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 का हटाया जाना केवल एक संवैधानिक निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्र की अखंडता का संकल्प था। यह उस विभाजनकारी मानसिकता पर अंतिम प्रहार था जिसने वर्षों तक कश्मीर को अलगाव की आग में झोंक रखा था। आज घाटी में तिरंगा गर्व से लहराता है, पर्यटन और निवेश के नए द्वार खुल रहे हैं, और युवाओं में आत्मविश्वास लौट रहा है-यह अमित शाह की निर्भीक राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है। उन्होंने संसद में कहा था- कश्मीर भारत का मुकुट है, और जब तक इसकी हर घाटी में शांति और विकास नहीं आता, तब तक हमारा प्रयास अधूरा रहेगा। शाह की कार्यशैली में सबसे अहम है कि किसी चीज को पहले से भांपने की। कश्मीर से 370 हटाने का मामला हो या फिर किसी चुनावी रणनीति की तैयारी, उन्हें अंदाजा हो जाता है कि किस मोहरे को कहां बिठाना है। इसी का असर है कि अनुच्छेद 370 हटाने के बाद अब तक कश्मीर में शांति एवं वहां शांतिपूर्ण चुनाव का होना है तो अयोध्या जैसे सदियों के विवाद का अंत शांतिपूर्ण तरीके से हो जाना है।

गृह मंत्री के रूप में अमित शाह ने देश की सुरक्षा व्यवस्था को नई ऊँचाई दी। आतंकी नेटवर्क के विरुद्ध कड़े कानून, एनआईए की शक्ति में वृद्धि, सीमा सुरक्षा में तकनीकी नवाचार और पुलिस सुधारों की नई पहल-इन सबने भारत की आंतरिक मजबूती को सुदृढ़ किया है। उन्होंने 'शून्य सहनशीलता नीति' को व्यवहार में उतारा। चाहे दिल्ली दंगे हों या सीमा पार आतंकवाद की चुनौती-हर परिस्थिति में उनका निर्णय तेज, संतुलित और राष्ट्रहित में रहा। उनके कार्यकाल में भारत में आंतरिक सुरक्षा का सबसे स्थिर दौर देखा जा रहा है, जहाँ आतंक, नक्सलवाद और अलगाववाद तीनों पर नियंत्रण स्थापित हुआ है। राजनीतिक दृष्टि से अमित शाह को 'मोदी के हनुमान' कहा जाता है, क्योंकि वे न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबसे विश्वसनीय सहयोगी हैं, बल्कि उनकी दृष्टि को व्यवहार में उतारने वाले कर्मयोद्धा भी हैं। 2014 से 2020 तक, उन्होंने भाजपा के 10वें अध्यक्ष के रूप पार्टी को 70 से अधिक देशों के बराबर सदस्य संख्या वाला विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बनाया। 2014 और 2019 के चुनावों में उनकी रणनीति, संगठन और जनसंपर्क ने भाजपा को ऐतिहासिक विजय दिलाई। उनके रणनीतिक कौशल ने पार्टी को सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया। लेकिन उनकी पहचान राजनीति से परे है- वे राष्ट्रीय एकता के संरक्षक, सुरक्षा के प्रहरी और सहकारिता के संचारक हैं।

अमित शाह ने संगठन के बाद सरकार में भी अपनी कौशल क्षमता का लोहा मनवाया तो जब भी संसदीय इतिहास में भारत के मोदीमय होने की गाथा का वर्णन होगा, उसमें 'चाणक्य नीति' की तरह 'शाह नीति' का जिक्र स्वाभाविक होगा। अमित शाह की यह रणनीति पार्टी नेताओं को भी तब समझ आई जब चुनावों के आधिकारिक पोस्टरों-बैनरों पर भी शाह की तस्वीर नजर नहीं आई, दरअसल वे पूरे चुनाव को मोदीमय करने की 'शाह नीति' थी। इसलिए शाह ने एक स्पष्ट निर्णय लिया कि प्रचार सामग्रियों पर सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही होंगे। आधुनिक राजनीति का चाणक्य कहें या फिर मोदी के भरोसेमंद सारथी, इसी खास सोच की वजह से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह की यह अमिट पहचान बन चुकी है।

अमित शाह को एक उत्कृष्ट संगठक और अभियान रणनीतिकार माना जाता है। उनके समर्थक उन्हें हिंदू धर्म का महान रक्षक मानते हैं, जबकि उनके आलोचक उन्हें एक ध्रुवीकरण करने वाली शख्सियत के रूप में देखते हैं। वह अपनी राजनीतिक कुशलता और जमीन से जुड़कर काम करने के लिए जाने जाते हैं। अमित शाह का राजनीतिक करियर उनके रणनीतिक कौशल, संगठन क्षमता और कठोर निर्णय लेने की प्रवृत्ति को दर्शाता है। एक छोटे कार्यकर्ता से लेकर देश के गृह मंत्री तक का उनका सफर भारतीय राजनीति में उनके मजबूत प्रभाव का प्रमाण है। वह भविष्य में भी भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति बने रहने की संभावना है। अमित शाह का व्यक्तित्व सरदार वल्लभभाई पटेल की स्मृति को सजीव करता है। जहाँ पटेल ने रियासतों का विलय किया, वहाँ शाह ने विचारों का एकीकरण किया। जहाँ पटेल ने लौह इच्छाशक्ति से भारत का नक्शा जोड़ा, वहाँ शाह ने अखंड भारत की भावना को राजनीतिक और सामाजिक धरातल पर साकार किया। उनके जीवन का सूत्रवाक्य रहा है- व्यक्ति नहीं, राष्ट्र सर्वोपरि। शाह ने राष्ट्रवाद को सर्वोपरि रखा तो 'काम रुके ना, देश झुके ना' के नारे के साथ विकास को भी उसमें जोड़ा। चुनौतियों से जूझने की उनकी छवि ही उन्हें जुझारू और लक्ष्य के प्रति जुनूनी बनाती रही है।

अमित शाह की कार्यशैली अनूठी एवं विलक्षण है, वे जब कोई काम हाथ में लेते हैं तो स्पष्ट लक्ष्य सामने होता है और उसके हिसाब से रणनीति पर काम करते हैं। भले नतीजे पक्ष में आए या खिलाफ, इसकी परवाह नहीं करते। उनका विजन स्पष्ट रहता है और नतीजों के बजाए काम करने पर फोकस रहता है।

श्रद्धांजलि लेख

कॉमेडी के बादशाह असरानी जीवनपर्यंत हरफनमौला रहे !

डॉ श्रीगोपाल नारसन

फिल्म अभिनेता गोवेर्धन असरानी अब हमारे बीच नही है। 84 वर्ष की आयु में दीपावली के दिन उनका निधन हो गया है। उन्हें भारतीय फिल्मों में कॉमेडी के बादशाह के रूप में जाना जाता रहा। गोवेर्धन असरानी का जन्म 1 जनवरी सन 1940 में राजस्थान की राजधानी जयपुर में हुआ था। उनके चार बहनें और तीन भाई हैं। उन्होंने अपनी पढ़ाई की शुरुआत सेंट जेवियर स्कूल जयपुर से की। उसके बाद उन्होंने स्नातक की पढ़ाई राजस्थान कॉलेज से पूरी की। पढ़ाई खत्म होने के बाद उन्होंने कई वर्षो तक बतौर रेडियो आर्टिस्ट काम किया था। असरानी की शादी अभिनेत्री मंजू बंसल ईरानी से हुई। असरानी ने अपनी पत्नी के साथ भी कई फिल्मों में भूमिकाएं अदा की हैं। असरानी अब तक 300 से अधिक हिंदी व गुजरती फिल्मों में अभिनय कर चुकें हैं। वह पिछले पांच दशक से हिंदी सिनेमा में सक्रिय हैं। उन्होंने हिंदी सिनेमा के अमूमन सभी दिग्गज अभिनेताओं के साथ अभिनय किया हैं। फिल्मी दुनिया में अभिनय के अलावा वह एक राजनीतिज्ञ भी रहे हैं। उन्होंने सन 2004 में कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी व लोकसभा चुनावों के दौरान उहोने कांग्रेस की जनसभाओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा भी लिया था।

हम अंग्रेजों के जमाने के जेलर हैं! फिल्म शोले का यह डायलॉग उनकी जिंदगी में शोहरत लेकर आया था जो आज भी याद किया जाता है। इस डायलॉग को मशहूर बनाने के पीछे असरानी का ही हाथ है। इस फिल्म में उनका शानदार अंदाज सभी ने देखा है। असरानी की गिनती बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेताओं में होती हैं। उन्होंने अधिकांश फिल्मों में कॉमेडी रोल और सपोर्टिव रोल किए हैं। परन्तु अपने अभिनय कौशल से उन्होंने सभी किरदारों में जान डाल दी थी। असरानी के अंदर सिंगिंग का भी हुनर है ,यह बात बहुत कम लोग जानते हैं कि असरानी ने कई हिंदी फिल्मों में अपनी आवाज का जादू बिखेरा है। असरानी के पिता की कारपेट की दुकान थी। मगर, परिवार के बिजनेस में असरानी की बिल्कुल दिलचस्पी न थी। ऊपर से गणित की पढ़ाई में भी वे कमजोर थे। राजस्थान कॉलेज से स्नातक करने के बाद इन्होंने ऑल इंडिया रेडियो, जयपुर में वॉइस आर्टिस्ट के रूप में काम करना शुरु किया। सन 1964 में उन्होंने पुणे के फिल्म एंड टेलिविजन इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया में दाखिला लिया और वहीं अभिनय सीखा।

असरानी ने करीब पांच दशक तक फिल्मों में काम किया है। शुरुआत में असरानी को ज्यादा रोल नहीं मिले इसलिए वो एफटीआईआई में ही शिक्षक बन गए थे। असरानी ने दर्शकों को सिर्फ हंसाया ही नहीं, बल्कि मधुर संगीत भी सुनाया है। सन 1977 में आई फिल्म आलाप में असरानी ने दो गाने गाए, जो उन्हीं पर फिल्माए गए। इसके अलावा फूल खिले हैं गुलशन गुलशन में मशहूर गायक किशोर कुमार के साथ भी एक गाना गाया था।असरानी ने अधिकतर फिल्मों में साइड रोल किए हैं। चला मुरारी हीरो बनने और सलाम मेमसाहब जैसी फिल्मों में उन्होंने लीड एक्टर के तौर पर भी काम किया था। असरानी ने सन 1967 में रिलीज हुई फिल्म हरे कांच की चूड़ियां से फिल्मों में कदम रखा था। असरानी ने कई फिल्मों में अपने अभिनय की छाप छोड़ी है, लेकिन शोले में जेलर के किरदार ने इन्हें खूब लोकप्रियता दिलाई। उन्होंने मेरे अपने, बावर्ची, परिचय, अभिमान, महबूब, बंदिश, चुपके-चुपके जैसी फिल्मों में भी शानदार अभिनय किया है।

फिल्म अभिनेता असरानी से मेरी मुलाकात करीब 5 साल पहले उज्जैन के मौनीबाबा आश्रम में हुई थी, वे बाबा के बड़े मुरीद थे और जब तक बाबा जीवित रहे असरानी की आस्था भी उनके लिए बनी रही। असरानी मौनीबाबा को रुद्र का साक्षात स्वरूप मानते थे। असरानी बातचीत में भी हरफनमौला थे और अभिनय में भी हरफनमौला रहे। आठ दशक के अपने जीवन मे असरानी ने लोगो को न सिर्फ खुलकर हंसाया बल्कि एक अच्छे इंसान के रूप में लोगों की जरूरत पड़ने पर मदद भी की। असरानी के मैनेजर बाबूभाई थीबा ने बताया कि असरानी का निधन जुहू के आरोग्य निधि अस्पाताल में हुआ। उनका अंतिम संस्कार भी शाम को ही सांता क्रूज वेस्ट के शास्त्री नगर शवदाह गृह में कर दिया गया। इस मौके पर उनके परिजन और करीबी लोग ही मौजूद थे।

गायों की पूजा का त्योंहार है गोवर्धन पूजा

रमेश सर्राफ धमोरा

गोवर्धन पूजा एक प्रमुख त्योहार है। लोग इसे अन्नकूट के नाम से भी जानते हैं। इस पर्व की अपनी मान्यता और लोककथा है। इस त्यौहार का भारतीय लोकजीवन में काफी महत्व है। इस पर्व में प्रकृति के साथ मानव का सीधा सम्बन्ध दिखाई देता है। भगवान श्रीकृष्ण ने आज ही के दिन इन्द्र का मानमर्दन कर गिरिराज पूजन किया था। कबीर दास जी कहते है-

कबीर गोवर्धन कृष्ण जी उठाया, द्रोणागिरि हनुमंत। शेष नाग सब सृष्टी उठाई, इनमें को भगवंत।।

इस दिन मन्दिरों में अन्नकूट किया जाता है। अन्नकूट एक प्रकार से सामूहिक भोज का आयोजन है जिसमें पूरा परिवार एक जगह बनाई गई रसोई से भोजन करता है। इस दिन चावल, बाजरा, कढ़ी, साबुत मूंग सभी सब्जियां एक जगह मिलाकर बनाई जाती हैं। मंदिरों में भी अन्नकूट बनाकर प्रसाद के रूप में बांटा जाता है। सायंकाल गोबर के गोवर्धन बनाकर पूजा की जाती है।

अन्नकूट में चंद्र-दर्शन अशुभ माना जाता है। यदि प्रतिपदा में द्वितीया हो तो अन्नकूट अमावस्या को मनाया जाता है। इस दिन सन्ध्या के समय दैत्यराज बलि का पूजन भी किया जाता है। गोवर्धन गिरि भगवान के रूप में माने जाते हैं और इस दिन उनकी पूजा अपने घर में करने से धन, धान्य, संतान और गोरस की वृद्धि होती है। आज का दिन तीन उत्सवों का संगम होता है। इस दिन दस्तकार और कल-कारखानों में कार्य करने वाले कारीगर भगवान विश्वकर्मा की पूजा भी करते हैं। इस दिन सभी कल-कारखाने तो पूर्णतः बंद रहते हैं। घर पर कुटीर उद्योग चलाने वाले कारीगर भी काम नहीं करते। भगवान विश्वकर्मा और मशीनों का दोपहर के समय पूजन किया जाता है।

गोवर्धन पूजा में गोधन यानी गायों की पूजा की जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि गाय उसी प्रकार पवित्र होती जैसे नदियों में गंगा। गाय को देवी लक्ष्मी का स्वरूप भी कहा गया है। देवी लक्ष्मी जिस प्रकार सुख समृद्धि प्रदान करती हैं उसी प्रकार गौ माता भी अपने दूध से स्वास्थ्य रूपी धन प्रदान करती हैं। इनका बछड़ा खेतों में हल जोतकर अनाज उगाता है। इस तरह गौ सम्पूर्ण मानव जाती के लिए पूजनीय और आदरणीय है। गौ के प्रति श्रद्धा प्रकट करने के लिए ही कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रतिपदा के दिन गोर्वधन की पूजा की जाती है और इसके प्रतीक के रूप में गाय की।

वेदों में इस दिन वरुण, इन्द्र, अग्नि आदि देवताओं की पूजा का विधान है। इसी दिन बलि पूजा, गोवर्धन पूजा होती हैं। इस दिन गाय-बैल आदि पशुओं को स्नान कराकर, फूल माला, धूप, चंदन आदि से उनका पूजन किया जाता है। गायों को मिठाई खिलाकर उनकी आरती उतारी जाती है। यह ब्रजवासियों का मुख्य त्योहार है। अन्नकूट या गोवर्धन पूजा भगवान कृष्ण के अवतार के बाद द्वापर युग से प्रारम्भ हुई। उस समय लोग इन्द्र भगवान की पूजा करते थे तथा छप्पन प्रकार के भोजन बनाकर तरह-तरह के पकवान व मिठाइयों का भोग लगाया जाता था।

दीपावली के दूसरे दिन सायंकाल गोवर्धन पूजा का विशेष आयोजन होता है। इस दिन प्रातः गाय के गोबर से लेटे हुए पुरुष के रूप में गोवर्धन बनाया जाता है। अनेक स्थानों पर इसके मनुष्याकार बनाकर पुष्पों, लताओं आदि से सजाया जाता है। इनकी नाभि के स्थान पर एक कटोरी या मिट्टी का दीपक रख दिया जाता है। फिर इसमें दूध, दही, गंगाजल, शहद, बताशे आदि पूजा करते समय डाल दिए जाते हैं और बाद में इसे प्रसाद के रूप में बांट देते हैं। शाम को गोवर्धन की पूजा की जाती है। पूजा में धूप, दीप, नैवेद्य, जल, फल, फूल, खील, बताशे आदि का प्रयोग किया जाता है। पूजा के बाद गोवर्धनजी की जय बोलते हुए उनकी सात परिक्रमाएं लगाई जाती हैं। परिक्रमा के समय एक व्यक्ति हाथ में जल का लोटा व अन्य जौ लेकर चलते हैं। जल के लोटे वाला व्यक्ति पानी की धारा गिराता हुआ तथा अन्य जौ बोते हुए परिक्रमा पूरी करते हैं।

महाराष्ट्र में यह दिन बालि प्रतिपदा या बालि पड़वा के रूप में मनाया जाता है। भगवान विष्णु के एक अवतार वामनकी राजा बलि पर विजय और बाद में राजाबलि को पाताल लोक भेजने के कारण इस दिन उनका पुण्य स्मरण किया जाता है। माना जाता है कि भगवान वामन द्वारा दिए गए वरदान के कारण असुर राजा बलि इस दिन पातल लोक से पृथ्वी लोक आता है। अधिकतर गोवर्धन पूजा का दिन गुजराती नव वर्ष के दिन के साथ मिल जाता है जो कि कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष के दौरान मनाया जाता है। गोवर्धन पूजा उत्सव गुजराती नव वर्ष के एक दिन पहले मनाया जा सकता है और यह प्रतिपदा तिथि के प्रारम्भ होने के समय पर निर्भर करता है।

गोवर्धन पूजा के सम्बन्ध में एक लोकगाथा प्रचलित है कि देवराज इन्द्र का अभिमान चूर करने हेतु भगवान श्री कृष्ण ने एक लीला रची। एक दिन उन्होंने देखा के सभी बृजवासी उत्तम पकवान बना रहे हैं और किसी पूजा की तैयारी में जुटे। श्री कृष्ण ने यशोदा मैया से प्रश्न किया कि आप लोग किन की पूजा की तैयारी कर रहे हैं । कृष्ण की बातें सुनकर यशोदा मैया बोली हम देवराज इन्द्र की पूजा के लिए अन्नकूट की तैयारी कर रहे हैं। मैया के ऐसा कहने पर श्री कृष्ण बोले मैया हम इन्द्र की पूजा क्यों करते हैं? यशोदा ने कहा वह वर्षा करते हैं जिससे अन्न की पैदावार होती है। उनसे हमारी गायों को चारा मिलता है। भगवान श्री कृष्ण बोले हमें तो गोर्वधन पर्वत की पूजा करनी चाहिए क्योंकि हमारी गाये तो वहीं चरती हैं। इस दृष्टि से गोर्वधन पर्वत ही पूजनीय है और इन्द्र तो कभी दर्शन भी नहीं देते व पूजा न करने पर क्रोधित भी होते हैं। अतः ऐसे अहंकारी की पूजा नहीं करनी चाहिए।

श्री कृष्ण के कहने पर सभी ने इन्द्र के बदले गोवर्धन पर्वत की पूजा की। देवराज इन्द्र ने इसे अपना अपमान समझा और मूसलाधार वर्षा शुरू कर दी। तब श्री कृष्ण ने अपनी कनिष्ठ उंगली पर पूरा गोवर्धन पर्वत उठा लिया और सभी बृजवासियों को उसमें अपने गाय और बछड़े समेत शरण लेने के लिए बुलाया। इन्द्र कृष्ण की यह लीला देखकर और क्रोधित हुए फलतः वर्षा और तेज हो गयी। इन्द्र का मान मर्दन के लिए तब श्री कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से कहा कि आप पर्वत के ऊपर रहकर वर्षा की गति को नियत्रित करें और शेषनाग से कहा आप मेड़ बनाकर पानी को पर्वत की ओर आने से रोकें।

इन्द्र लगातार सात दिन तक मूसलाधार वर्षा करते रहे तब उन्हे एहसास हुआ कि उनका मुकाबला करने वाला कोई आम मनुष्य नहीं हो सकता। अतः वे ब्रह्मा जी के पास पहुंचे और सब वृतान्त कह सुनाया। ब्रह्मा जी ने इन्द्र से कहा कि आप जिस कृष्ण की बात कर रहे हैं वह भगवान विष्णु के साक्षात अंश हैं।

फसल विविधीकरण एवं जैविक खेती का मार्गदर्शन मिला किसानों को किसान मेला में

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत किसानों को ग्राफ्टेड टमाटर पौधे किए वितरित, जनप्रतिनिधियों ने जैविक खेती अपनाने किसानों को किया प्रेरित

अंबिकापुर। जिला स्तरीय किसान मेले कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, पशुधन विकास विभाग एवं मत्स्य पालन विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं एवं नवीन तकनीकों की जानकारी हेतु स्टॉल लगाए गए, जिनका जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में किसानों ने अवलोकन किया। यह आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र अजिरम, अम्बिकापुर में किया गया। कृषि वैज्ञानिकों ने मेले में फसल विविधीकरण के महत्व पर चर्चा हुए बताया कि पारंपरिक धान की खेती की तुलना में गन्ना, सब्जी एवं उद्यानिकी फसलों से किसानों को अधिक लाभ प्राप्त हो सकता है। वैज्ञानिकों ने बताया कि जहां धान की खेती में एक रुपए की लागत पर लगभग 50 पैसे का लाभ मिलता है, वहीं गन्ने की खेती में एक रुपए की लागत पर 75 पैसे का लाभ प्राप्त होता है। वहीं शासन द्वारा संचालित किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत 5 किसानों को टमाटर के ग्राफ्टेड पौधे, 5 किसानों को सरसों बीज मिनीकिट, 5 किसानों को स्वॉयल हेल्थ कार्ड एवं बीमा पॉलिसी प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। मत्स्य पालन विभाग द्वारा प्रधानमंत्री

मत्स्य संपदा योजना के तहत 7 लाभार्थियों को आईस बॉक्स एवं मछली पकड़ने के जाल का वितरण किया गया। साथ ही जनप्रतिनिधियों ने ए हेल्प पुस्तक का विमोचन किया। पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किसानों के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि की राशि अब सीधे ग्राम पंचायत स्तर पर उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे किसानों को बैंक के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्होंने जैविक खेती को बढ़ावा देने, रासायनिक खादों के अत्यधिक प्रयोग से बचने और मृदा की पोषकता बनाए रखने पर किसानों से आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पशुधन विकास विभाग के माध्यम से कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम को गति दी जा रही है, जिससे 90 प्रतिशत बछिया प्राप्त होने की संभावना बढ़ी है। उन्होंने मत्स्य पालन विभाग की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए भी किसानों को प्रेरित किया गया। सांसद सरगुजा चिंतामणि महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने रासायनिक खादों पर निर्भरता कम करने और जैविक खेती अपनाने का आग्रह किया। लूण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने कहा कि किसान मेला किसानों के लिए नवाचार एवं तकनीकी ज्ञान का मंच है। यहां विभिन्न विभागों द्वारा अपनी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है, जिससे किसानों को खेती-बाड़ी में आधुनिक तकनीक अपनाकर पैदावार बढाने का अवसर मिलेगा। कलेक्टर ने किसानों से कहा कि आगामी 15 नवम्बर से धान खरीदी प्रारंभ होने जा रही है। इस अवसर पर उन्होंने किसानों से बैंक संबंधी सतर्कता बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसान अपनी मेहनत की कमाई पसीना बहाकर अर्जित करते हैं, लेकिन कई बार बैंक धोखाधड़ी के मामलों में उनकी गाढ़ी कमाई चली जाती है। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि वे अपने बैंक पासबुक का स्टेटमेंट हर 15 से 30 दिनों में अवश्य जांचें, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता या संदेहास्पद लेन-देन का तुरंत पता चल सके। उन्होंने ने कहा कि धोखाधडी का शिकार होने के बाद अपराधी भले ही जेल चला जाए, लेकिन किसान की मेहनत की कमाई वापस नहीं मिल पाती, इसलिए जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है। उन्होंने बताया कि सभी बैंक प्रबंधकों को इस संबंध में निर्देशित किया गया है कि यदि किसी किसान को बैंक लेन-देन में समस्या होती है या किसी प्रकार की धोखाधड़ी की आशंका होती है, तो तत्काल प्रशासन को सूचित करें ताकि शीघ्र कार्रवाई की जा सके। किसान मेला में जिले के सर्वश्रेष्ठ पशुपालकों को सम्मानित किया गया। किसान मेले के माध्यम से किसानों को कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी और मत्स्य पालन के क्षेत्र में नवाचार अपनाने तथा आत्मनिर्भर बनने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सरगुजा के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सदस्य, कृषि स्वामित्व समिति की अध्यक्ष पूर्व हस्तशिल्प बोर्ड अध्यक्ष,कृषि मंत्री के प्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में जिले के कृषकगण उपस्थित रहे।

खदान को लेकर ग्रामीणों का जोरदार विरोध लाठी-डंडा लेकर उतरे प्रदर्शनकारी

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में प्रकाश इंडस्ट्रीज द्वारा संचालित भास्कर पारा खदान के विरोध में ग्रामीणों का जोरदार प्रदर्शन जारी रहा। ग्रामीणों का आरोप है कि कंपनी ने एक फर्जी ग्राम सभा प्रस्ताव के आधार पर खनन का कार्य शुरू किया है और पूर्व में आश्वासन मिलने के बावजूद कोई दस्तावेज नहीं दिखाए गए हैं। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीण लाठी-डंडा लेकर मौजूद रहे प्रदर्शनकारियों में भारी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं। प्रदर्शनकारी खदान पर धोखाधड़ी से कार्य संचालित किए जाने का आरोप लगाते हुए इसके तत्काल बंद करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि पिछले आंदोलन के दौरान प्रशासन की ओर से दिए गए आश्वासनों को पूरा नहीं किया गया और उन्हें कोई लिखित दस्तावेज नहीं दिया गया, जिसके चलते उन्हें फिर से प्रदर्शन के लिए मजबूर होना पड़ा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन और पुलिस की एक बड़ी टीम भी घटनास्थल पर मौजूद है ताकि स्थिति पर नजर रखी जा सके और कानून-व्यवस्था बनी रहे। अभी तक किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है लेकिन माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है।

लवन पुलिस की बड़ी कार्रवाई: ग्रो मनी इन्वेस्टमेंट के नाम पर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले आरोपियों की हुई गिरफ्तारी, जेल दाखिल

लवन। जिला बलौदाबाजार में पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के पदस्थापना के बाद से लगातार अपराधियों पर पुलिस लगाम कसते हुए अपराध की स्तर में गिरावट लाने में सराहनीय भूमिका निभा रहा है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह व डीएसपी अपूर्वा सिंह क्षत्रिय के कुशल मार्गदर्शन, वर्तमान थाना प्रभारी अमित पाटले के कुशल नेतृत्व एवं सूझबूझ से ग्रो मनी इन्वेस्टमेंट के नाम से दर्जनों लोगों से करोड़ों रुपये धोखाधड़ी कर वसूली करने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी में लवन पुलिस को बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। आरोपियों की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी अमित पाटले एवं उनके टीम की सराहनीय भूमिका है। प्रधान आरक्षक रामकृष्ण पटेल ने बताया कि लवन निवासी आरोपी

विजय जायसवाल, संतोष जायसवाल एवं मनेन्द्र जायसवाल ये तीनों व्यक्ति लोगों को ग्रो मनी इन्वेस्टमेंट के नाम से पैसा 25 माह में डबल करने का झांसा देकर करीब 16 लोगों से 5 करोड़ रुपए से भी अधिक वसूली कर धोखाधड़ी कर निवेशकों को बेवकूफ बनाते हुए आ रहे थे, जिनके खिलाफ लवन (कारी) निवासी एक आवेदक के शिकायत पर उक्त तीनों आरोपियों सहित ग्रो मनी इन्वेस्टमेंट के संचालक उमेश पाठक के खिलाफ 27 नवम्बर 2024 को अपराध दर्ज हुआ। तब से तीनों आरोपी इधर उधर मुँह छिपाते पुलिस से भाग रहे थे, लेकिन जैसे ही एसपी भावना गुप्ता पदस्थापना बलौदाबाजार हुआ और लवन का प्रभार अमित पाटले के कंधों पर आया, एसपी ने बिना देरी किये थाना प्रभारी को गिरफ्तारी के निर्देश दिए और वैसे ही थाना प्रभारी अमित पाटले, उनके टीम थाना लवन से एएसआई सुरेंद्र सिंह, प्रधान आरक्षक रामकृष्ण पटेल, आरक्षक भूपेंद्र गुप्ता ने सघन जांच तलाशी अभियान चलाया, तब सभी आरोपियों की लोकेशन ट्रेस से गिरफ्तारी की प्रक्रिया सम्पन्न हुई। सभी आरोपियों की विधिवत गिरफ्तार किये गए हैं, न्यायिक हिरासत में सभी आरोपी जिला जेल बलौदाबाजार दाखिल हो चुके हैं।

भाजपा किसान नेता योगेश तिवारी ने सतनामी समाज के धर्मगुरु बालदास को दी जन्मदिन की शुभकामनाएँ

रायपुर। सतनामी समाज के धर्मगुरु बालदास के जन्मदिन के अवसर पर प्रदेशभर में श्रद्धा और उत्साह का माहौल रहा। इस अवसर पर भाजपा किसान नेता एवं सर्व हिंदू सनातन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेश तिवारी ने छत्तीसगढ़ शासन के केबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के निवास पर पहुँचकर मुलाकात की और बालदास गुरु को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। योगेश तिवारी ने कहा सतनामी समाज के धर्मगुरु बालदास न केवल समाज के मार्गदर्शक हैं, बल्कि छत्तीसगढ़ की आध्यात्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक एकता के प्रतीक हैं। उनका जीवन हमें सत्य, अहिंसा और समानता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। इस दौरान उन्होंने गुरु से आशीर्वाद प्राप्त किया और उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। कार्यक्रम में सौरभ मिश्रा, ऋषि शर्मा सहित कई साथीगण उपस्थित रहे।

मधुमक्खियों के हमले से बचने तालाब में कूदे, पिता-पुत्र की डूबने से मौत

जगदलपुर। बस्तर जिले के कपावंड थाना क्षेत्र के ग्राम चोकनार में जंगल में मधुमक्खियों के हमले से बचने के प्रयास में तालाब में कूदे पिता और पुत्र की डूबने से मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मृतक भुवनेश्वर पटेल (60) और उनका पुत्र विनोद पटेल (35) कल दोपहर गांव से लगे जंगल में घास काटने गए थे। इसी दौरान जंगल के एक हिस्से में अचानक मधुमक्खियों का झुंड उनके ऊपर टूट पड़ा। हमले से बचने के लिए दोनों घबराकर जान बचाने तालाब की ओर भागे और उसमें कूद गए। कुछ देर बाद जब दोनों बाहर नहीं निकले तो गांववालों ने शोर मचाया और घटना की सूचना कपावंड पुलिस को दी थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गोताखोरों की मदद से देर शाम तक तलाशी अभियान चलाया था। लेकिन अंधेरा बढ़ने के कारण खोज कार्य रोकना पड़ा था। फिर से तलाशी अभियान शुरू किया गया, इस दौरान दोनों के शव तालाब से बरामद किये गये। शवों को पोस्टमार्टम के लिए जगदलपुर भेजा गया है।

मातर पर्व पर ग्राम टोपा में मंडावी बेड़ा का बैठक संपन्न, 15 गांवों के सियान हुए शामिल, फरवरी 2026 में होगा बड़ा सम्मेलन

भाटापारा। मातर पर्व के शुभ अवसर पर ग्राम टोपा में मंडावी बेड़ा परिवार का पारंपरिक बैठक हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर आसपास के 15 गांवों से आए मंडावी परिवारों के प्रमुख सियान (बुजुर्ग प्रतिनिधि) बड़ी संख्या में शामिल हुए। बैठक में परिवार की एकता, शिक्षा, परंपरा और संस्कृति को सशक्त करने पर विस्तृत चर्चा की गई। परिवार की युवा पीढ़ी के प्रतिनिधि रूपेश नागवंशी, प्रदेश मीडिया सचिव सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाग एवं संयुक्त सचिव छत्तीसगढ़ राज्य आदिम संस्कृति कला एवं साहित्य संस्थान ने कहा कि शिक्षा ही समाज की उन्नति की कुंजी है, और संस्कृति हमारी पहचान। सियानों ने युवाओं को अपनी सांस्कृतिक परंपराओं को सहेजते हुए शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया। बैठक में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि आगामी वर्ष फरवरी 2026 में मंडावी बेड़ा सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 7 जिलों

के लगभग 60 से 70 गांवों के मंडावी परिवारों की सहभागिता रहेगी। यह सम्मेलन परिवार की एकता और आपसी सहयोग को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। बैठक का समापन परिवार व सामाजिक एकता के नारों और पारंपरिक गीतों के साथ हुआ। उक्त बैठक में ग्राम टोपा से मनहरन मंडावी, रमेश मंडावी, सदाराम मंडावी, रतन मंडावी, मधु मंडावी, ललित मंडावी, रामजी मंडावी, संतोष मंडावी, जय मंडावी, गणेश मंडावी (जूनवानी, बेमेतरा), गोठू मंडावी, किशोर मंडावी (मल्दी), रामप्रसाद मंडावी (परसाडीह), ओंकार मंडावी (भाटापारा), अंजोरी मंडावी, आजू मंडावी (बेंदरी) आदि लोग शामिल हुए।

कायस्थ समाज ने मनाई चित्रगुप्त की जयंती

डोंगरगांव नगर। कायस्थ समाज के आराध्य कुलदेवता भगवान चित्रगुप्त की जन्मजयंती आस्थापूर्वक मनाई गई। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के डोंगरगांव इकाई ने नगर में धर्मराज भगवान चित्रगुप्त का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाते हुए पूजा अर्चना की। इस मौके पर कायस्थ समाज ने एकजुटता प्रदर्शित करते हुए भगवान चित्रगुप्त के गगनभेदी जयकारे लगाए। उक्त अवसर पर अखिल भारतीय कायस्थ समाज के डोंगरगांव इकाई अध्यक्ष प्रांजल श्रीवास्तव, वरिष्ठजन कमलेश श्रीवास्तव, आनंद श्रीवास्तव, प्रवीण श्रीवास्तव, सुनील श्रीवास्तव, उमाकांत वर्मा, विवेक श्रीवास्तव, विक्की श्रीवास्तव, संजोग श्रीवास्तव, कार्तिक श्रीवास्तव, नीलेश श्रीवास्तव, शुभांक श्रीवास्तव, यश श्रीवास्तव, अतुल श्रीवास्तव, महेंद्र श्रीवास्तव, दीपक वर्मा, दीपक श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में समाज के अनुयायी मौजूद थे।

डीएसपी अपूर्वा सिंह, थाना प्रभारी अमित पाटले सहित थाना स्टॉफ के कड़ी सुरक्षा में भक्ति मय के साथ गौरा गौरी विसर्जन सुचारू रूप से सम्पन्न

बलौदाबाजार। दीपो का महापर्व जहां अंधेरे को चीरकर उजाला फैलाने का पर्व है वहीं बुराई पर अच्छाई की जीत, भगवान श्री रामचन्द्र जी के 14 साल के वनवास के बाद आयोध्या लौटने के खुशी पर मनाया जाने वाला पर्व दीपावली के शुभ अवसर पर नगर लवन सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में माता पार्वती और शिव विवाह का कार्यक्रम गौरा गौरी महोत्सव का भव्य एवं उत्साह पूर्वक आयोजन रहा। जिसका मांदर की थाप पर नगरवासियों एवं आयोजन टीम द्वारा भक्तिमय माहौल में पुलिस प्रशासन की तगड़ी सुरक्षा व्यवस्था में नाचते गाते हुए गौरा गौरी विसर्जन के लिए सड़कों पर दिखाई दिये। पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देश पर डीएसपी अपूर्वा सिंह क्षत्रिय, थाना प्रभारी लवन अमित पाटले, स्वयं दोनो सुरक्षा का मोर्चा सम्हालते हुए सड़क दिखे और गौरा गौरी विसर्जन में किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न हो इसके लिए सड़क व्यवस्था को भी दूरस्थ करते हुए दिखे,

ट्रैफिक व्यवस्था भी बेहतर बनाने के साथ में उनके स्टॉफ से प्रधान आरक्षक नान्हू राम नवरंगे, आरक्षक भूपेंद्र गुप्ता सहित अन्य आरक्षको की ड्यूटी बेहतर रहा। आपको आगे बताते चलें कि नगर के इतिहास में धार्मिक आयोजन की सुरक्षा के दृष्टिकोण से डीएसपी व थाना प्रभारी का एक साथ सुरक्षा व्यवस्था को सुव्यवस्थित रही, जिसकी नगर वासियों ने भूरी भूरी प्रसंसा करते हुए धन्यवाद आभार जताया। इसके अलावा पुलिस अधीक्षक के प्रति भी नगर वासियों ने आभार प्रकट किये। गौरतलब हो कि पुलिस विभाग लवन के बेहतरीन सुरक्षा व्यवस्था में गौरा गौरी महोत्सव धूमधाम से सम्पन्न हुआ।

इसके अलावा सड़कों पर मनचले युवाओं जो हाथ में लोहे या स्टील के कड़े वगैरह पहने हुए थे, उनकी भी सघन तलाशी लेते हुए जब्ती किये गए, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को नियंत्रित किये जा सके। लवन पुलिस थाना का प्रभार डीएसपी अपूर्वा सिंह क्षत्रिय एवं थाना प्रभारी अमित पाटले के कंधों पर आने के बाद बेहतर एवं शांति पूर्ण का माहौल निर्मित हुआ है।

वन विभाग की तत्परता से पकड़े गए तीन आरोपी, मृत हाथी का मामला सुलझा

रायगढ़। वन विभाग ने तत्परता से रायगढ़ वनमंडल के अंतर्गत ग्राम केराखोल में एक मृत हाथी का मामला सुलझा लिया गया है। सूचना मिलते ही वनमंडलाधिकारी रायगढ़ के नेतृत्व में वन अमला तत्काल मौके पर पहुँचा और घटना स्थल का निरीक्षण करने पर प्राथमिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि हाथी की मृत्यु बिजली के तार की चपेट में आने से हुई है। स्थल पर जांच के दौरान तार, सूखे पत्ते, मिट्टी के निशान तथा संदिग्ध वस्तुएं मिलीं। साथ ही मृत हाथी के पेट में घाव के निशान, जिसमें लगे हुए स्नेयर को भी जब्त किया गया। उल्लेखनीय है कि वन मंत्री केदार कश्यप ने वन्य अपराध में लिप्त लोगों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। वन विभाग की तीन सदस्यीय पशुचिकित्सा टीम ने मृत हाथी का पोस्टमार्टम किया। प्रारंभिक रिपोर्ट में मृत्यु का कारण विद्युत करंट बताया गया। घटना के बाद पुलिस विभाग को सूचित किया गया तथा तत्काल जांच शुरू की गई। संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ के दौरान तीन आरोपियों की पहचान हुई, जिसमें वीर सिंग मांझी पिता मेहत्तर मांझी आयु 28 वर्ष, ग्राम केराखोल, रामनाथ राठिया पिता महेश्वर राठिया आयु 42 वर्ष, ग्राम औराईमुड़ा और बसंत राठिया

पिता ठाकुर राम राठिया आयु 40 वर्ष, ग्राम केराखोल शामिल है। पूछताछ में आरोपी वीर सिंग मांझी ने स्वीकार किया कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर खेत की रखवाली के लिए बिजली के तार लगाकर जंगली जानवरों को मारने का प्रयास किया था। उसी दौरान हाथी करंट की चपेट में आ गया। आरोपियों ने तार और लोहे का सामान खुद खरीदा था। वन अपराध में लिप्त तीनों आरोपियों को वन अपराध के तहत गिरफ्तार किया गया है। इनके विरुद्ध वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 9 एवं 51 के अंतर्गत 20 अक्टूबर को अपराध दर्ज कर 21 अक्टूबर को तीनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

भाटापारा मे दिखा आस्थामय सम्मान का पायदान महत्वपूर्ण स्थलों मे किया गया दीप प्रज्वलन दीपदान

■ सरयू साहित्य एवं ग्लोबल जर्नलिस्ट मीडिया संघ द्वारा प्रमुख चौराहों पर दीप प्रज्वलन

भाटापारा। खुशियां एवं उजियारा बांटने का पर्व जिसमें समाहित है समरसता मधुरता एवं चंहुओर समृद्धि अभिव्यक्ति का भाव ऐसे विराट संदेश प्रदान करने वाले पंच दिवसीय दिपावली महापर्व के उपलक्ष्य मे नगर की रचनात्मक संस्था सरयू साहित्य परिषद द्वारा एक महत्वपूर्ण अभियान संचालित किया गया जिसके तहत डगर डगर उजियारा तथा एक दीप जहां दिखे अंधियारा के तहत विभिन्न स्थलों पर दीप रखकर उजियारे का संदेश प्रतिपादित किया गया तथा महालक्ष्मी पूजन दिवस के दिन जहां मंदिरों तालाब कुओं विद्यालयों एवं अन्य सार्वजनिक प्रतिष्ठानों मे दीपक रखा गया वहीं दीपावली के दूसरे दिन प्रमुख चौक चौराहों पर आस्था एवं सम्मान के दीप

प्रज्वलित किए गये।

ग्लोबल मीडिया संघ की रही भागीदारी: उपरोक्त महत्वपूर्ण अभियान जनमानस के सराहनीय सहयोग से अत्यंत उत्साह पूर्ण वातावरण मे संपन्न हुई तथा सभी के द्वारा दीप अर्पण के इस अभियान मे अपनी भागीदारी निभाई गयी,प्रमुख चौक चौराहे जहां आदर्श के प्रतिमान स्थापित हैं उन महत्वपूर्ण स्थलों मे आस्था एवं सम्मान के दीप प्रज्जवलन मे ग्लोबल मीडिया संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों सहित विभिन्नजनों की अहम भागीदारी नजर आयी, भामाशाह चौक, महतारी चौक, गांधी प्रतिमा फौव्हारा चौक, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस प्रतिमा इतवारी राम यादव विद्यालय भारत माता चौक एवं जय स्तंभ मे आस्था एवं सम्मान का दीप प्रज्जवलन करते हुए आदर्श के प्रतिमानों का वंदन एवं नमन किया गया।

भाव अभिव्यक्ति की अहम कड़ी: पत्रकार मुकेश शर्मा के संचालन मे आयोजित दीप प्रज्वलन अनुष्ठान मे भाव अभिव्यक्ति की कड़ी मे सरयू साहित्य परिषद के अध्यक्ष गौरीशंकर शर्मा द्वारा अंधकार से संघर्ष एवं प्रकाश से उत्कर्ष बिन्दु पर प्रकाश डाला गया, ग्लोबल मीडिया संघ के अध्यक्ष शंकरलाल सोनी द्वारा एक दीप ज्ञान का शीप जैसे पहलू को रेखांकित करते हुए सभी प्रकार के अंधकारों से संघर्ष का आव्हान किया गया, आचार्य संजय तिवारी द्वारा ज्ञान एवं अज्ञानता के विभिन्न पहलुओं की विस्तार से चर्चा करते हुए ज्ञान के प्रकाश से चंहुओर उजियारा की कामना की गयी।

अनुष्ठान मे बड़ी संख्या मे भागीदारी: दीप महापर्व के उपलक्ष्य मे दीप अर्पण के इस महाअनुष्ठान मे बड़ी संख्या मे भागीदारी नजर आयी तथा विभिन्न चरणों मे संपादित हुए इस अभियान मे हरिहर शर्मा,पं दुर्गा प्रसाद तिवारी, कविता शर्मा, सरिता रानी शर्मा, श्याम पुरोहित ललित तिवाड़ी, अनिल ओझा, चन्द्रभूषण पाण्डेय, मोनू मानिक प्रसाद दुबे, सक्षम मिश्रा, लोकेश साहू, दिनेश शर्मा, राजकुमार यदु, आर्यन स्वर्णकार, प्रकाश मानिकपुरी, प्यारेलाल साहू, पं हरगोपाल शर्मा रंजन त्रिवेदी आलोक जायसवाल आदि द्वारा प्रमुख भागीदारी निभाई गयी।

डॉक्टरों की लापरवाही पर सख्त सीएमएचओ, बिना मुलाकात किए रिपोर्ट भेजना सेवा आचरण नियमों का उल्लंघन

कवर्धा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय से जारी पत्र क्रमांक 6997 दिनांक 22 अक्टूबर 2025 के तहत सीएचसी पंडरिया में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों की गंभीर लापरवाही पर सख्त नाराजगी जताई गई है। पत्र में स्पष्ट कहा गया है कि ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों द्वारा आरोपियों का डॉक्टर से मुलाक़ात नहीं करना न केवल अनुशासनहीनता है बल्कि यह सरकारी कार्यप्रणाली में बाधा डालने जैसा गंभीर कृत्य है। स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि बिना चिकित्सकीय परीक्षण किए रिपोर्ट देना

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,
जिला- कबीरधाम छ.ग.
22 OCT 2025
22 OCT 2025

मूलभूत अधिकार क्षेत्र से बाहर का कार्य है और इसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। सीएमएचओ ने चेतावनी दी है कि चिकित्सक सेवा आचरण नियम 1965 के तहत ऐसा आचरण कर्तव्य की अवहेलना माना जाएगा। ड्यूटी से अनुपस्थित या कार्य से बचने वाले अधिकारियों को अनुशासनात्मक कार्यवाही का सामना करना पड़ सकता है। अधिकारियों को आदेशित किया गया है कि वे पूरी घटना की स्पष्ट जानकारी सहित जवाब तत्काल प्रस्तुत करें, ताकि आगे की कार्रवाई नियमानुसार की जा सके।

भनसुली में शोक की लहर, नहीं रहे कांग्रेस नेता समाजसेवी कृष्ण कुमार साहू

रानीतराई। ग्राम भनसुली निवासी कांग्रेस नेता समाजसेवी एवं पूर्व जनपद सदस्य कृष्ण कुमार साहू (उम्र 77 वर्ष) का 23 अक्टूबर गुरूवार को निधन हो गया। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। कृष्ण कुमार साहू अपने सामाजिक कार्यों और मिलनसार स्वभाव के लिए क्षेत्र में अत्यंत लोकप्रिय थे। उन्होंने जनपद सदस्य के रूप में कार्य करते हुए समाज और क्षेत्र के विकास के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया। उनका अंतिम संस्कार आज दोपहर 11 बजे ग्राम भनसुली में सम्पन्न होगा। वे दुलारी साहू के पति, मुकेश साहू, मनीष साहू के पिताजी एवं अशोक साहू पूर्व उपाध्यक्ष जिला पंचायत दुर्ग कमलेश साहू पूर्व उपसरपंच के बड़े पिताजी थे। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और नागरिकों ने उनके निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की है।

निधन

वेद प्रकाश पटेल

भाटापारा। माता देवालय वार्ड निवासी नगर के व्यवसायी एवं भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला मंत्री व पटेल (मरार) समाज के प्रदेश महासचिव वेद प्रकाश पटेल 60 वर्ष पिता स्व. मुंशी राम पटेल का आकस्मिक निधन हो गया है। वे वैभव कुमार, आशीष कुमार के पिता एवं ओमप्रकाश पटेल के छोटे भाई व सत्यनारायण (सत्तू), जय नारायण (गुड्डू) के बड़े भाई थे। उनके अंतिम यात्रा में समाज सहित नगर के गण मान्य नागरिक बड़ी संख्या शामिल हुए।

अमरजीत कौर खुराना

रायपुर। गोविंद नगर पंडरी निवासी अमरजीत कौर खुराना 70 वर्ष पत्नि स्व. सुरजीत सिंह खुराना का निधन गुरुवार दोपहर 3 बजे हो गया, वह रश्मित सिंह खुराना की माताजी थी। उनकी अंतिम यात्रा 24 अक्टूबर शुक्रवार को सुबह 11 बजे निवास स्थान से देवेंद्र नगर श्मशान घाट ले जाई जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

करमा महोत्सव के लिए 27 अक्टूबर तक जनपदों में पंजीयन

बिलासपुर। आदिम जाति एवं अनुसूचित विकास विभाग द्वारा करमा महोत्सव 2025 के लिए कार्यक्रम जारी किया गया है। जिसके अनुसार 28 अक्टूबर से लेकर 31 अक्टूबर तक विकासखण्ड स्तरीय करमा नृत्य महोत्सव आयोजित होगा। खण्ड स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए जनपद पंचायतों में 27 अक्टूबर तक इच्छुक दलों को पंजीयन कराना होगा। खण्ड स्तरीय आयोजन बिल्हा में 28 अक्टूबर, मस्तुरी में 29 अक्टूबर, तखतपुर में 30 अक्टूबर एवं कोटा में 31 अक्टूबर को किया जाएगा। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास ने बताया कि राज्य शासन के निर्देशानुसार करमा महोत्सव का आयोजन ग्राम स्तर से लेकर जनपद, जिला एवं राज्य स्तर पर आयोजित किया जा रहा है। राज्य स्तरीय कार्यक्रम 15 नवम्बर को होगा। उन्होंने बताया कि विकासखण्ड स्तर पर करमा नृत्य, करमा गीत, जनजातीय लोक गायकों का प्रतिनिधित्व एवं जनजातीय समुदायों में प्रचलित परम्परागत वाद्य यंत्रों के प्रदर्शन पर आधारित प्रतिस्पर्धा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विकासखण्ड के ग्राम स्तर पर नर्तक दल अपना पंजीयन जनपद पंचायतों में दर्ज कराकर कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। जिला स्तरीय करम महोत्सव 1 नवम्बर से 7 नवम्बर 2025 तक आयोजित होगा, जिसमें चयनित एक करम नर्तक दल को राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रतिनिधित्व का अवसर मिलेगा। राज्य स्तरीय आयोजन 8 नवम्बर से 15 नवम्बर 2025 तक किया जाएगा। कार्यक्रम में भाग लेने वाले चयनित ग्रामों के करमा नर्तक दलों को प्रति ग्राम 2 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि जनपद पंचायतों के माध्यम से प्रदान की जाएगी। वहीं, विकासखण्ड स्तरीय कार्यक्रमों के संचालन हेतु प्रति विकासखण्ड 1 लाख रुपये की राशि निर्धारित की गई है।

दो दिवसीय डाक टिकट प्रदर्शनी 31 अक्टूबर से ,बिलासापेक्स 2025 में डाक टिकटों के इतिहास की दिखेगी झलक

बिलासपुर। बिलासपुर डाक संभाग द्वारा 31 अक्टूबर से 1 नवम्बर 2025 तक दो दिवसीय जिला स्तरीय डाक टिकट प्रदर्शनी ''बिलासापेक्स-2025'' का आयोजन राघवेन्द्र राव सभा भवन, कंपनी गार्डन के पास सवेरे 10 बजे से किया जाएगा। प्रदर्शनी में डाक संभाग के सभी डाक टिकट संग्रहकर्ता भाग लेंगे। उक्त प्रदर्शनी के माध्यम से डाक टिकट के क्रमशः विकास एवं समग्र इतिहास की झलक, राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय ऐतिहासिक घटनाक्रम इत्यादि की जानकारी प्राप्त होगी। साथ ही साथ शालेय छात्र-छात्राओं को प्रदर्शनी में महापुरूषों, खेल, ज्ञान-विज्ञान, प्रकृति, पर्यावरण, वन्य जीव-जन्तु, विभिन्न देश-विदेशों की कला संस्कृति आदि की रोचक जानकारी प्राप्त होगी। उक्त रोचक व ज्ञानवर्धक डाक टिकट प्रदर्शनी का अवलोकन विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत लाभदायक होगा। विभाग द्वारा प्रदर्शनी स्थल पर ही माई स्टेम्प योजना की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। इस योजना के अंतर्गत कोई भी व्यक्ति अपनी फोटो डाक टिकट के साथ छपवा सकता है। माई स्टेम्प योजना के डाक टिकट विभिन्न प्रकार के शीटों में उपलब्ध है। इच्छुक व्यक्ति अपना स्वयं का फोटो एवं परिचय पत्र के साथ आवेदन पत्र भर कर निर्धारित शुल्क 300 रूपए अदा कर उक्त डाक टिकट की सुविधा प्राप्त कर सकते है। आवेदक को 5 रूपये मूल्यवर्ग के कुल 12 टिकटों का एक सेट प्रदान किया जाता है। डाकघर अधीक्षक ने नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे इस दो दिवसीय डाक टिकट प्रदर्शनी का अवलोकन कर रोचक एवं ज्ञानवर्धक जानकारी प्राप्त करें।

दुर्ग-हजरत निजामुद्दीन-दुर्ग फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी-3 कोच की सुविधा

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने वाली गाड़ी संख्या 08760/08761 दुर्ग-हजरत निजामुद्दीन-दुर्ग फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी-3 कोच की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है यह सुविधा दुर्ग से चलने वाली गाड़ी संख्या 08760 दुर्ग-हजरत निजामुद्दीन फेस्टिवल एक्सप्रेस में दिनांक 26 अक्टूबर 2025 को तथा हजरत निजामुद्दीन से चलने वाली गाड़ी संख्या 08761 हजरत निजामुद्दीन-दुर्ग फेस्टिवल स्पेशल में दिनांक 27 अक्टूबर 2025 को उपलब्ध रहेगी इस अतिरिक्त कोच की उपलब्धता से अधिकाधिक यात्रियों को कंफर्म बर्थ के साथ सुगम यात्रा की सुविधा मिलेगी

30 अक्टूबर 2025 से मनेन्द्रगढ़ नगर पालिका परिषद फाटक (बीसी-02) स्थायी रूप से बंद हो जाएगी

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा सड़क उपयोगकर्तायों की बेहतर सुरक्षा एवं संरक्षा सुनिश्चित करने हेतु समपार फाटकों में रोड ओवरब्रिज/अंडरपास का निर्माण कर वैकल्पिक सड़क मार्ग की व्यवस्था करने के पश्चात समपार फाटकों को बंद किया जा रहा है इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के अंतर्गत मनेन्द्रगढ़ स्टेशन यार्ड कि.मी. 933/20-21 पर स्थित मानव सहित समपार संख्या ब्क्ष्-02 (नगर पालिका परिषद फाटक) को सुरक्षागत कारणों से 30 अक्टूबर 2025 (गुरुवार) से सडक यातायात के लिये स्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया गया है।

समाज सेवा में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया

बिलासपुर मंडल में 20वीं वार्षिक जिला रैली एवं शिविर का उत्साहपूर्ण शुभारंभ

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर ज़िला स्काउट्स एवं गाइड्स संघ द्वारा आयोजित 20वीं वार्षिक जिला रैली एवं शिविर का भव्य शुभारंभ आज रेलवे स्कूल क्रमांक1, बिलासपुर में हुआ। तीन दिवसीय इस आयोजन (24 से 26 अक्टूबर 2025) में रेलवे विद्यालयों एवं ओपन ग्रुप्स के लगभग 400 स्काउट्स एवं गाइड्स सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। रैली का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्रीमती भगवती खोईवाल, President, SECRWWO, BSP Division द्वारा किया गया। उन्होंने ध्वजारोहण एवं दीप प्रज्वलन कर शिविर का औपचारिक शुभारंभ किया। इस अवसर पर श्री अनुराग कुमार सिंह, जिला आयुक्त (स्काउट) एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर; श्रीमती सुजाता सिंह, जिला संगठन आयुक्त (गाइड); श्री दिलीप सवाई, जिला संगठन आयुक्त (स्काउट); श्री संजय मेश्राम, जिला सचिव; तथा विभिन्न विद्यालयों के स्काउट मास्टर, गाइड कैप्टन एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि स्काउटिंग एवं गाइडिंग के सिद्धांत केवल गतिविधियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह बच्चों के भीतर अनुशासन, निष्ठा, सेवा भावना, आत्मनिर्भरता और नेतृत्व क्षमता जैसे गुणों को विकसित करने का माध्यम है। उन्होंने प्रतिभागियों को 'करके सीखने' की भावना को अपनाने तथा समाज सेवा में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। पहले दिन की प्रमुख गतिविधियाँ-शिविर के पहले दिन का आरंभ ध्वजारोहण और प्रार्थना सभा (Devotion Song) से हुआ, जिसमें सभी स्काउट्स एवं गाइड्स ने एक स्वर में प्रार्थना गीत गाकर सकारात्मकता और एकता का संदेश दिया। इसके पश्चात विभिन्न Surprise Activities के माध्यम से बच्चों में टीमवर्क, तत्परता और नेतृत्व क्षमता का परीक्षण किया गया। दोपहर सत्र में Quiz Competition आयोजित की गई, जिसमें स्काउटिंगङ्गाइडिंग के इतिहास, नियमों, प्रतिज्ञा, और राष्ट्रीय प्रतीकों से संबंधित प्रश्न पूछे गए। प्रतिभागियों ने अद्भुत ज्ञान और तत्परता का परिचय दिया। सायंकालीन सत्र में आयोजित Camp Fire Ceremony शिविर की विशेष आकर्षण रही। विभिन्न दलों ने देशभक्ति गीत, नृत्य, लघु नाटक, और समूह प्रस्तुतियाँ देकर शाम को रंगारंग बना दिया। वातावरण स्काउट्स-गाइड्स की ऊर्जा और उत्साह से सराबोर हो उठा। आयोजन का उद्देश्य और नेतृत्व- इस तीन दिवसीय शिविर का उद्देश्य स्काउट्स एवं गाइड्स के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ उनमें समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण, अनुशासन, और राष्ट्र निर्माण की भावना को प्रबल करना है। शिविर का संपूर्ण संचालन श्री अनुराग कुमार सिंह, Sr.DCM/BSP एवं जिला आयुक्त (स्काउट) के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में किया जा रहा है। शिविर के सफल आयोजन में जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री दिलीप सवाई, जिला संगठन आयुक्त (गाइड) श्रीमती सुजाता सिंह, जिला सचिव श्री संजय मेश्राम, छ्ञ्ज्ञ्ष्ट (स्काउट) श्री दिनेश यादव, एवं ,छ्ञ्ह्ष्ट श्री जी. लोकेश राव की सक्रिय भूमिका रही। आगे के कार्यक्रम-अगले दो दिनों में प्राथमिक उपचार (First Aid) प्रशिक्षण, आपदा प्रबंधन (Disaster Management) कार्यशाला, पर्यावरण एवं स्वच्छता पर प्रदर्शनी, हैंडिक्राफ्ट निर्माण, पायनियरिंग प्रोजेक्ट्स एवं सांस्कृतिक संध्या जैसी गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी। समापन समारोह दिनांक 26 अक्टूबर 2025 (रविवार) को सायं 5:00 बजे आयोजित किया जाएगा।

सिविल डिफेंस टीम ने किया मानवता भरा कार्य

■ बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर सिविल डिफेंस कर्मचारियों की तत्परता से मिर्गी दौरे से घायल यात्री को मिली समय पर इलाज

बिलासपुर। 23 अक्टूबर 2025 को दोपहर के समय बिलासपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 3 पर एक यात्री, जो मिर्गी का मरीज बताया जा रहा है, अचानक प्लेटफॉर्म पर गिर पड़ा। गिरने के दौरान उसके सिर पर चोट लग गई। मौके पर उपस्थित सिविल डिफेंस स्टाफ ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए तत्काल मानवीय संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई की। टीम ने बिना विलंब किए एलाइट हॉस्पिटल में उपस्थित कर्मचारियों की सहायता से घायल यात्री को प्राथमिक उपचार प्रदान किया। तत्पश्चात आवश्यक चिकित्सकीय देखरेख हेतु उसे एम्बुलेंस के माध्यम से छ्ठ्ठरूस् अस्पताल भेजा गया। सिविल डिफेंस टीम की त्वरित प्रतिक्रिया एवं मानवीय संवेदनशीलता के चलते उस यात्री को समय पर चिकित्सा सहायता प्राप्त हो सकी और फिलहाल वह खतरे से बाहर है। वरि.मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने सिविल डिफेंस टीम के सदस्यों की तत्परता, सजगता और मानवीय संवेदना की सराहना करते हुए कहा कि सिविल डिफेंस की टीम आपातकालीन स्थितियों में अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभा रही है और समाज में मानवीय सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।

सतनाम प्रांगण में विधायक निधि से 64 लाख रू. की लागत से बनेगा भव्य डोम

कोरबा। टी.पी.नगर कोरबा स्थित सतनाम प्रांगण में विधायकनिधि से 64 लाख रूपये की लागत से भव्य व विशाल डोम का निर्माण कराया जाएगा, मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने उक्त महत्वपूर्ण डोम निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया, मंत्री श्री देवांगन ने इस मौके पर बाबा गुरूघासीदास व जैतखंभ की पूजा अर्चना भी की तथा नगर के अमनचैन व आमनागरिकों की सुख समृद्धि की कामना की।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा उद्योग मंत्री व कोरबा विधायक लखनलाल देवांगन की विधायकनिधि द्वारा स्वीकृत व 64 लाख रूपये की लागत से टी.पी.नगर स्थित सतनाम प्रांगण में भव्य व विशाल डोम का निर्माण कार्य कराया जाना हैं, मंगलवार को आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने बतोर मुख्य अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति प्रदान करते हुए उक्त निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया। इस मौके पर कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल, महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी, वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन, लक्ष्मण श्रीवास सहित निगम के पार्षदगण व काफी संख्या में समाज के नागरिकों के साथ-साथ जनप्रतिनिधिगण व आमनागरिकगण उपस्थित थे। इस अवसर पर दिए गए अपने उद्बोधन में उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि विधानसभा चुनाव के पूर्व समाज के वरिष्ठजनों से चर्चा के दौरान मैंने वादा किया था कि विधायक निधि से सतनाम प्रांगण में भव्य डोम का निर्माण कराया जाएगा, बाबा गुरूघासीदास के आशीर्वाद से आज यहाँ पर उक्त डोम निर्माण कार्य का भूमिपूजन सम्पन्न किया गया है। उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने आगे कहा कि बाबा गुरूघासीदास जी हम सबको शक्ति प्रदान करें कि उनके आशीर्वाद से हम आमजन मानस के हित में लगातार कार्य करें, कोरबा जिला व छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करें। इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने बाबा गुरूघासीदास व जैतखंभ की पूजा अर्चना भी की तथा नगर के अमनचैन व आमजनता की सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर कोरबा सतनामी कल्याण समिति का शपथ ग्रहण भी सम्पन्न कराया गया।

बिलासपुर मंडल के बिलासपुर,चाम्पा,रायगढ़ सहित सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर गूंजने लगे छठ के गीत यात्रियों ने महसूस की बिहार की सोंधी संस्कृति

बिलासपुर। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर भारतीय रेल ने इस वर्ष यात्रियों को एक विशेष अनुभव देने की दिशा में अनूठी पहल की है। देशभर के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से छठ पूजा के पारंपरिक गीत गूंज रहे हैं, जो यात्रियों के मन को छूने वाला अनुभव बना हुआ है। इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल के बिलासपुर, चाम्पा और रायगढ़ सहित सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर भी उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से मंगला हम वरदान हे गंगा मइया, केलवा के पात पर उगेलन सुरुजदेव जैसे प्रसिद्ध छठ गीतों का प्रसारण किया जा रहा है। इन गीतों ने रेलवे स्टेशनों के वातावरण को भक्तिमय और उत्सवमय बना दिया है। यात्रियों, विशेषकर महिला यात्रियों ने इस पहल पर प्रसन्नता व्यक्त की है। कई महिलाएं छठ गीतों को गुनगुनाते हुए अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान कर रही हैं। यह पहल यात्रियों को न केवल बिहार और उत्तर भारत की सोंधी संस्कृति से जोड़ रही है, बल्कि उन्हें अपने घर-परिवार और आस्था से भी भावनात्मक रूप से जोड़ रही है। हर वर्ष की भांति इस बार भी छठ पर्व के दौरान लाखों यात्री अपने घरों की ओर लौट रहे हैं। भारतीय रेल ने उनकी सुविधा हेतु 12000 से अधिक विशेष ट्रेनों का संचालन किया है, साथ ही नियमित ट्रेनों में भी अतिरिक्त सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। रेल प्रशासन का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर सुविधा के साथ-साथ एक सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करना है। इस तरह छठ गीतों का उद्घोषणा प्रणाली में प्रसारण भारतीय रेल की एक सांस्कृतिक पहल है, जो यात्रियों के बीच अत्यंत लोकप्रिय हो रही है।

शहर के विकास में डीएमएफ फण्ड की होगी बड़ी भागीदारी

■ कोरबा विधानसभा में 399 कार्यों के लिये 157 करोड़ 69 लाख की मिली स्वीकृति

■ नपानि क्षेत्र कोरबा में विभिन्न स्थानों में सामुदायिक भवन,नाली,अहाता एवं अन्य कार्य होंगे

कोरबा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश और केबिनेट मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन में कलेक्टर एवं अध्यक्ष श्री अजीत वसंत ने जिला खनिज न्यास संस्थान (डीएमएफ) से कोरबा विधानसभा क्षेत्र में 399 विकास कार्यों के लिए 157 करोड़ 69 लाख 12 हजार 830 रुपये की स्वीकृति दी है। विगत 20 से 21 माह के बीच कलेक्टर एवं अध्यक्ष डीएमएफद्वारा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के मांग के आधार पर तथा षासन की मंषानुसार बड़ी राशि की स्वीकृति प्रदान किये जाने से शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, शहरी सुविधाएं और जनसुविधाओं का व्यापक विकास सुनिश्चित होगा। डीएमएफ से प्राप्त स्वीकृति में अनेक बड़े कार्य भी शामिल है। ध्यानचंद चैक से बजरंग चैक तक 2.84 कि.मी. दो लेन सीसी रोड निर्माण 29.42 करोड़ की स्वीकृति दी गई है। इस कार्य से मुख्य शहरी मार्गों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी और वाहनों का सुचारू संचालन सुनिश्चित होगा। इसी तरह शहर में यातायात और सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए सुनालिया ज्वेलर्स के पास रेल अंडर ब्रिज (आरयूबी) निर्माण एवं मुआवजा वितरण हेतु 18.82 करोड़, नवीन आंगनबाड़ी भवन निर्माण (92 भवन) के लिए 12.01 करोड़, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने और शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए शासकीय स्कूलों में मानदेय शिक्षकों की भर्ती हेतु 10.34 करोड़, जी.एन.एम. स्कूल एवं हॉस्टल का शेष निर्माण कार्य हेतु 4.70 करोड़, शहरी स्वच्छता और कचरा प्रबंधन में सुधार के लिए नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र में ई-कार्ट गार्बेज रिक्शा प्रदाय कार्य हेतु 2.84 करोड़, शिक्षा क्षेत्र में अन्य कार्य 30 नवीन प्राथमिक शाला भवन हेतु 5.16 करोड़, 10 नवीन माध्यमिक शाला भवन 1.67 करोड़, 71 किचन शेड निर्माण, 18 स्कूलों में अहाता निर्माण, डाइट भवन कोरबा के 11 कार्य 1.18 करोड़, 12 महाविद्यालयों में अतिरिक्त भवन, हॉस्टल व सामग्री क्रय 6.26 करोड़, शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज कोरबा में निर्माण कार्य 97.60 लाख की स्वीकृति शामिल है। कलेक्टर द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्य हेतु बच्चों के टीकाकरण, क्षय रोग जांच, संसाधन भर्ती एवं स्वास्थ्य भवन उन्नयन 3.12 करोड़, विशेषज्ञ चिकित्सक एवं चिकित्सा शिक्षकों की भर्ती (3 कार्य) 6.27 करोड़, स्वास्थ्य कर्मियों के आवासीय भवन निर्माण 98.69 लाख, ट्रामा सेंटर में उन्नयन कार्य 54.59 लाख की राशि स्वीकृत की गई है। शहरी और ग्रामीण अवसंरचना अंतर्गत सामुदायिक भवन, नाली, अहाता एवं अन्य कार्य।

सुरक्षा कर्मियों की तत्परता से सिम्स में बाहरी दलाल पर की गई कार्रवाई,भेजा गया जेल...

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ आर्युविज्ञान संस्थान (सिम्स) में पिछले कुछ समय से यह शिकायतें प्राप्त हो रही थीं कि कुछ निजी अस्पतालों से जुड़े दलाल संस्थान परिसर में आकर मरीजों को बहला-फुसलाकर अन्य निजी अस्पतालों में उपचार हेतु ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे दलाल मरीजों को यह कहकर भ्रमित करते हैं कि यहाँ डॉक्टर नहीं हैं या यहाँ इलाज का खर्चा अधिक है, जबकि बाहर सस्ता इलाज मिल जाएगा। इसी क्रम में 22 अक्टूबर 2025 की सुबह लगभग 6 बजे सिम्स के टाइज वार्ड में एक व्यक्ति, जिसका नाम अभिषेक निर्मलकर पिता शत्रुघ्न निर्मलकर निवासी उसलापुर है, संदिग्ध रूप से मरीजों एवं उनके परिजनों से बातचीत करते हुए पाया गया। सुरक्षा कर्मियों को उसके व्यवहार पर संदेह हुआ, जिसके बाद सूचना सुरक्षा सुपरवाइजर लघु शर्मा को दी गई। सुरक्षा टीम द्वारा मौके पर पहुँचकर उक्त व्यक्ति से पूछताछ की गई और उसकी गतिविधियों की पुष्टि होने पर उसे सिम्स चौकी के माध्यम से सिटी कोतवाली पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया, ताकि आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा सके। इस घटना पर सिम्स के अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति ने कहा कि संस्थान में मरीजों के हित सर्वोपरि हैं। किसी भी बाहरी व्यक्ति द्वारा मरीजों को गुमराह करने या उपचार में बाधा डालने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हमारी सुरक्षा टीम की तत्परता सराहनीय है, और भविष्य में भी ऐसे तत्वों पर सख्त निगरानी रखी जाएगी। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. लखन सिंह ने कहा कि सिम्स में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए आते हैं। ऐसे में किसी भी बाहरी व्यक्ति द्वारा मरीजों को भ्रमित करने की कोशिश गंभीर अपराध है। प्रशासन ने इस पर सख्त रुख अपनाया है और भविष्य में इस तरह की हरकत करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षा सुपरवाइजर लघु शर्मा ने बताया कि सभी वार्डों में नियमित गश्त की जा रही है और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना प्रशासन को दी जा रही है। सिम्स प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की जानकारी तुरंत सुरक्षा विभाग या अस्पताल प्रशासन को दें, ताकि मरीजों की सुरक्षा और सेवाओं की पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

वास्तु शास्त्र में मोर का पंख पवित्र और शुभ फलदायी

अक्सर ऐसा देखा गया है कि कड़ी मेहनत के बाद पैसा नहीं बचा पाते, जबकि कमाई तो खूब होती है। ऐसे में उन्हें आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है और वे परेशान रहते हैं। इन समस्याओं को खत्म करना है तो आपको वास्तु उपाय करने चाहिए। वास्तु शास्त्र में मोर के पंख को पवित्र और शुभ फलदायी माना गया है। ऐसे में अगर इसे सही दिशा में रखा जाए तो घर में पॉजिटिविटी भी आए और धन-संपत्ति में भी बढ़ोतरी होगी।

क्या है उपाय

वास्तु शास्त्र की मानें तो मोर पंख घर की निगेटिव एनर्जी को खत्म करता है। साथ ही सकारात्मकता को बढ़ावा देता है। ऐसे में यदि इसे सही जगह पर रखा जाए, तो घर में चल रही आर्थिक परेशानी झट से खत्म हो जाएगी। मान्यता है कि मोर पंख के प्रभाव से घर में क्लेश भी कम होता है और सुख-समृद्धि बनी रहती है। ऐसे में इसका असर तभी बेहतर होगा जब इसकी दिशा सही हो।

वास्तु शास्त्र के हिसाब से इसे (मोर का पंख) पूर्व दिशा या उत्तर दिशा में रखना चाहिए। इससे घर में पॉजिटिव एनर्जी बनी रहती है और सुख-शांति भी घर लौट आती है। इससे मानसिक शांति को मिलती ही है साथ में आर्थिक तंगी भी दूर हो जाती है।

कहां रखना चाहिए ?

मोर के पंख को पवित्र माना जाता है ऐसे में इसे कहीं भी नहीं रखना चाहिए। मोर के पंख को आप घर के मंदिर में पूर्व दिशा में रखें।

ऐसा करने से भगवान कृष्ण कृपा बनाए रखेंगे। इसके साथ ही मोर पंख को तिजोरी में रखेंगे तो धन में भी बढ़ोतरी भी होती है। समय के साथ-साथ घर में पैसों की समस्या खत्म होती है।

वास्तु के अनुसार जल तत्व का स्थान उत्तर-पूर्व

बारिश की रिमझिम फुहार, प्रकृति की सुंदरता इस मौसम में देखते ही बनती है,लेकिन वास्तु के अनुसार हमें इस ऋतु के आने से पहले कुछ खास तैयारी कर लेनी चाहिए, जो हमारे घर में खुशियों की बरसात ला सके, लेकिन बरसात की नेगेटिविटी नहीं। इस मौसम में अपने घर को वास्तु अनुकूल बनाने के लिए कुछ तैयारी पहले से ही कर लें तो बेहतर होगा, तो चलिए आपको उन्हीं के बारे में बताते हैं।

जल संचय की कर लें तैयारी

वास्तु के अनुसार मानसून यानी की वरुण देवता की कृपा हिंदू मान्यताओं के अनुसार मानसून के देवता वरुण देव बताए जाते हैं। वरुण देवता जल के देवता है ऐसे में मानसून से पहले उनके आने के तैयारी कर लेना बहुत जरूरी है इसके लिए आपको घर के जल तत्व को जांच लेना बहुत जरूरी है। वास्तु के अनुसार जल तत्व का स्थान उत्तर और उत्तर पूर्व माना गया है। इन्हीं क्षेत्रों में जल का भंडार, फव्वारा, पानी की व्यवस्था, पानी की टंकी इत्यादि होनी चाहिए। ऐसे में अगर आप वर्ष के जल का संचय करते हैं तो उसका भंडारण भी इन्हीं दिशाओं में होना चाहिए। आपके घर में वर्षा का पानी का ढाल इन्हीं दिशाओं में बनाना चाहिए। इस दिशा को साफ और हल्का रखने की सलाह दी जाती है। वर्षा ऋतु से पहले अगर इस दिशा में कोई भी अवरोध है,तो उसे दूर कर लीजिए, जिससे यहां पर वर्षा का जल संचय हो सके और यह दिशा साफ सुथरी बनी रहे।

करा लें मरम्मत

बारिश से पहले वास्तु की दूसरी टिप है कि आप अपने घर की जो भी मरम्मत है वह कर लें, दीवारों में अगर दरारें हैं, या कहीं से पानी का रिसाव है तो उसे ठीक कर लें। सीलन भरी दीवारें वास्तु क अनुसार नेगेटिविटी को अब्जॉर्ब करती हैं। मानसून से पहले पानी के लीक होने की या पानी की व्यवस्था, नालियों की व्यवस्था को चेक कर लें।

भूमि का ढलान करें चेक

बरसात से पहले भूमि का ढलान जरूर देखें। वास्तु के अनुसार घर के मुख्य द्वार की ओर से भूमि का ढलान उत्तर से दक्षिण पूर्व या पूर्व से पश्चिम की ओर होना चाहिए। वहीं आपके मुख्य द्वार पर पानी इकट्ठा नहीं होना चाहिए। ढलान ऐसा होना चाहिए कि पानी धीरे-धीरे रिस के इन दिशाओं में चला जाए।

इन दिशाओं की कर लें जांच

अपने घर की दक्षिण और दक्षिण पूर्व दिशाओं की जांच कर लें क्योंकि यह स्थान अग्नि का है, यहां पर जल को जमा न होने दें। यहां पर अगर आपका कोई सामान या कोई भी मरम्मत की जरूरत है तो उसे कर लें। यहां पर पानी का संचय ना होने दें।

साफ और सूखा रखें घर

बरसात के दौरान घर को सुखा व साफ सुथरा रखें। घर में नमी जमा न होने दें इसके लिए ताजी हवा का संचार की पहले से ही जांच लें।

महका कर रखें घर

घर में उचित सुगंधों के जरिए बरसात से आने वाली सीलन की बदबू को दूर करने का प्रयास करें। सीलन की महक

में नेगेटिविटी का वास होता है। घर में एसेंशियल ऑइल्स, लोबान या फिटकरी को महका कर रखें, जिससे बरसात के मौसम में भी वास्तु अनुकूल सकारात्मक बनी रहे। उम्मीद है इन सब उपायों को आप पर मानसून से पहले कर लेंगे, अपने घर को वास्तु के अनुकूल बना लेंगे और अपने घर में बरसात के साथ सकारात्मकता के प्रवेश के लिए तैयार हो जाएंगे।

मेकअप लगाने से पहले स्किन को ऐसे करें तैयार

ह्यूमिडिटी की वजह से सबसे बड़ा चैलेंज मेकअप को स्किन पर टिकाना है। जिससे चेहरे का ग्लो भी खत्म ना हो और स्किन केकी भी ना नजर आए। वैसे तो आजकल प्रोडक्ट वाटरप्रूफ आते हैं लेकिन स्किन को अगर ठीक तरीके से तैयार ना किया जाए तो मेकअप के बाद भी चेहरा फीका हुआ सा दिखता है। ऐसे में कई सारे मेकअप एक्सपर्ट इन टिप्स को फॉलो करते हैं। जिसे आप भी जरूर जान लें।

फिटकरी पानी से साफ करें चेहरा

चेहरे पर पसीने से परेशान रहती हैं तो स्किन को सबसे पहले फिटकरी पानी से क्लीन करें। या फिटकरी को पानी से धोकर चेहरे पर रब करें। ऐसा करने से फिटकरी पोर्स को ब्लॉक कर देगी और पसीना नहीं निकलेगा। इसके बाद आप मॉइश्चराइजर और बाकी प्रोडक्ट को स्किन पर अप्लाई करें।

सेटिंग स्प्रे लगाएं

मेकअप सेटिंग स्प्रे को सभी मेकअप के आखिरी में लगाने के लिए जानते हैं। लेकिन आप इसे मॉइश्चराइजर लगाने के बाद चेहरे पर स्प्रे कर लगाएं। फिर फाउंडेशन अप्लाई करें। इससे चेहरे पर पसीना नहीं होगा और फाउंडेशन देर तक चेहरे पर टिका रहेगा। लेकिन सबसे लास्ट में भी स्प्रे को अप्लाई करना ना भूलें।

वाटर बेस्ड प्रोडक्ट करें यूज

ह्यूमिडिटी के मौसम में ऑयल बेस्ड प्रोडक्ट की बजाय वाटर बेस्ट प्रोडक्ट अप्लाई करें। ऑयल बेस्ड प्रोडक्ट स्किन को ग्रीसी होने से रोकेंगे। खासतौर पर ऑयली स्किन वालों को वाटर बेस्ट फाउंडेशन यूज करना बेस्ट होता है। इससे स्किन से निकलने वाले एक्स्ट्रा ऑयल की वजह से चिपचिप और डलनेस

फेस पाउडर यूज करें

फाउंडेशन लगाने के बाद स्किन पर फेस पाउडर जरूर लगाएं। फेस पाउडर की मदद से चेहरे को डस्ट करें। जिससे कि एक्सेज मॉइश्चर निकल जाता है। कॉम्पैक्ट पाउडर बारिश का जरूरी प्रोडक्ट है। इसे अपने मेकअप किट में जरूर शामिल करें। जिससे एक्स्ट्रा ऑयल को फेस पर आने से रोका जा सके।

बेसन हटाता है एक्स्ट्रा ऑयल

ऑयली स्किन वालों के लिए बेसन का इस्तेमाल करना बढ़िया रहता है. ये एक्ट्रेस स्किन ऑयल को रिड्यूस करने में मदद करता है. इससे चेहरे कि चिपचिपाहट कम होती है और स्किन फ्रेश नजर आती है. ये स्क्रब का काम भी करता है, जिससे डेड स्किन सेल्स रिमूव होते हैं और ब्लैकहेड्स की संभावना कम हो जाती है.

गुलाबजल रखेगा स्किन को फ्रेश आप अपने मानसून स्किन केयर रूटीन में गुलाबजल को जरूर जगह दें। ये आपकी मुरझाई हुई स्किन में नई जान डालेगा और फेस को फ्रेश भी रखेगा साथ ही रंगत निखारने में भी ये कारगर होता है। इसके लिए आप गुलाब जल को टोनर की तरह यूज कर सकते हैं। अपने साथ इसका स्प्रे रख सकते हैं और अलग-अलग फेस पैक में मिलाकर लगा सकते हैं।

हाथों पर रचाएं मेहंदी के ये डिजाइन

दीवाली के त्योहार पर मेहंदी लगाना काफी शुभ माना जाता है। दरअसल, मेहंदी को शुभता और सुहाग का प्रतीक माना जाता है। इसलिए महिलाएं तीज-त्योहार के मौके पर मेहंदी जरूर लगाती हैं। अगर आप भी इस मौके पर हाथों पर मेहंदी रचाना चाहती हैं, तो यहां देखें कुछ खूबसूरत मेहंदी डिजाइन।

एक तरफ महिलाएं झुला झुलते हुए दिखाएं और दूसरे साथ में शिवलिंग की आकृति बनाएँ है। साथ ही आसपास फूल का डिजाइन बनाएं।

आप मेहंदी डिजाइन को कॉपी कर सकते हैं। मेहंदी का ये डिजाइन बहुत ही सुंदर लग रहा है। इस तरह के थ्री डी मेहंदी डिजाइन आजकल बहुत ट्रेंड में है। इसमें हाथी, कमल के फूल और जाली की डिजाइन बना सकती है। जो बहुत ही सुंदर लग ता है।

मेहंदी का ये डिजाइन बहुत ही खूबसूरत लग रहा है। साथ ही इसे घर पर लगाना भी आसान है। इसमें शिवलिंग की आकृति बनाई गई है। आसपास गोला बनाकर डिजाइन डाला गया है और उसके आसपास में महादेव लिखा है और आसान डिजाइन डाला गया है।

मेहंदी का ये डिजाइन भी परफेक्ट रहेगा। इसमें कमल का फूल, बत्तख और हाथी की आकृतिक का डिजाइन डाला गया है। साथ ही आसपास जाली डिजाइन से इसे कंप्लीट किया है। मेहंदी का ये डिजाइन बहुत ही बेहतरीन लग रहा है।

मेहंदी का ये डिजाइन सिंपल और सोबर लग रहा है। इसमें कमल का फूल और जाली का डिजाइन बनाया गया है, जो काफी सिंपल और सोबर लग रहा है। इस तरह का डिजाइन आप घर पर भी लगाया जा सकता है।

नई नवेली दुल्हन मेहंदी के इस डिजाइन से भी आइडिया ले सकती हैं। इसमें भी फूल, हाथी और आसपास जाली का डिजाइन डाला गया है। जो बहुत ही सुंदर लग रहा है। आप इसमें अपनी पसंद के मुताबिक कुछ डिजाइन भी शामिल कर सकती हैं।

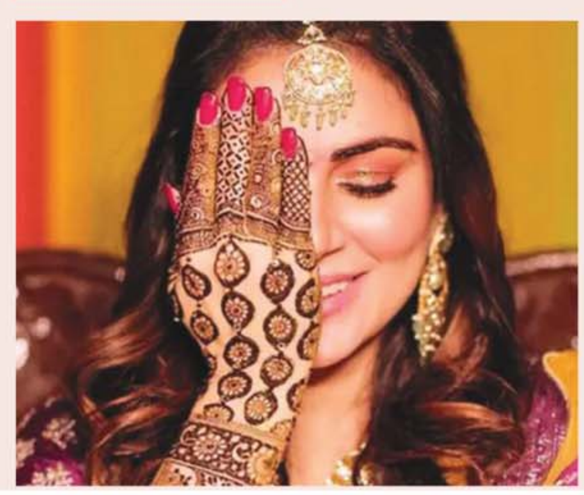

कैसे करें हैंडलूम साड़ियों की देखभाल

फैशन की दुनिया बहुत बड़ी है। साड़ी एक ऐसा आउटफिट है जिसका ट्रेंड कभी नहीं पुराना होता है। अगर आप इसे पहनती हैं तो हर मौके पर इससे रॉयल लुक मिलता है। सिल्क, बनारसी, चिकनकारी से लेकर कांजीवरम और हथकरघा साड़ियां खूब पसंद की जाती हैं। ये साड़ियां काफी महंगी भी आती हैं। इन्हें रोजाना नहीं पहना जा सकता है। जिनमें वर्क ज्यादा होता है, उन्हें अगर सही से न रखा जाए तो साड़ियों के खराब होने का डर भी रहता है। इन्हें सही तरह से सहेज कर रखना जरूरी है। आपने देखा होगा या आपके साथ भी ऐसा हुआ होगा कि साड़ियों रखे-रखे पुरानी लगने लगीं। उनकी चमक फीकी पड़ गईं। ऐसा होने पर इन्हें दोबारा पहनने का मन भी नहीं करता है। ऐसे में अगर आप सही तरीके से इनकी देखभाल करेंगी तो इसका रंग लंबे समय तक नया रहेगा और फैब्रिक भी खराब नहीं होगा। आज का हमारा लेख भी इसी विषय पर है। हम आपको हैंडलूम साड़ियों की देखभाल करने के तरीके बताने जा रहे हैं। इससे आपकी साड़ियां लंबे सालों साल नई बनी रहेंगी। आइए जानते हैं विस्तार से -

ऐसे करें हैंडलूम साड़ियों की देखरेख

अगर आप हैंडलूम साड़ियों को धुलने के बारे में सोच रहीं हैं तो उसको नमक के पानी में डालकर थोड़ी देर के लिए छोड़ देना सही रहेगा। इसके बाद इन्हें हल्के हाथों से वॉश करें। ऐसा करने से उससे गंदगी भी निकल जाएगी। आपकी साड़ी का रंग भी पक्का रहेगा।

आपको बता दें कि हैंडलूम साड़ियां बेहद नाजुक होती हैं। इसलिए कभी भी इसे वॉशिंग मशीन में धुलने की गलती नहीं करनी चाहिए। आप इन्हें हाथ से ही धुलें। पानी में सर्फ मिलाकर साड़ी को डुबोकर 10 मिनट के लिए रख दें। इसके बाद इसे साफ पानी से धो लें। इससे इनकी क्वालिटी पर कोई असर नहीं पड़ेगा। जब भी आप हैंडलूम साड़ियों को धोएं तो इन्हे धूप में सुखाने के बजाय छाएं में रस्सी पर टांग कर ही सुखाएं। दरअसल, धूप से इस तरह की साड़ी का रंग फीका पड़ जाता है। ऐसा करने से इसकी चमक बरकरार रहेगी। हतकरघा वाली साड़ियों को प्रेस करने से पहले इसे हल्के गीले कपड़े में लपेट देना सही रहता है। इसके बाद ही साड़ी को इस्तरी करें। ऐसा करने से साड़ी की रंगत बरकरार रहेगी। आप जब भी ये साड़ियां पहनें तो उसके बाद इसे न्यूजपेपर में फोल्ड करके ही रखें। ऐसा करने से साड़ी पर सिलवटें भी नहीं पड़ेंगी और वो नई जैसी दिखेंगी। कोशिश करें कि इन्हें बाकी के कपड़ों से अलग रखें। हैंडलूम साड़ियों को आप जब भी अलमारी में रखें तो नेफ्थिलीन की गोलियां जरूर डाल दें। इससे उनमें कीड़ें नहीं पड़ेंगे और साड़ियां नई की नई रहेंगी।

आम से बनने वाली ये चीज..

बच्चे हों या बड़े, सबको आम का इंतजार रहता है और जब इसका सीजन आता है, तो हर कोई भरपूर स्वाद लेना चाहता है, लेकिन बारिश शुरू होते ही आम का मौसम जाने लगता है, लेकिन अगर आप आम का मजा पूरे साल लेना चाहते हैं तो हम आपके लिए एक ऐसी चीज लाएं हैं जिसे बनाकर आप इसे सालभर तक खा सकते हैं। चलिए जानते हैं क्या है वो चीज।

आम से बनने वाली ये चीज है आम पापड़। न सिर्फ बच्चों की पसंदीदा चीज होती है। खासबात तो ये कि ये लंबे समय तक खराब नहीं होता है। इसे बनाना भी बेहद आसान है। वैसे तो आम पापड़ मार्केट में भी मिल जाता है। लेकिन घर पर बने आम पापड़ की बात की कुछ और है।

इसे बनाने के लिए आपको चाहिए। 4 से 5 पके हुए मीठे आम , चीनी, नींबू का रस, देसी घी प्लेट में लगाने के लिए। अब इसे बनाने के लिए सबसे पहले पके आमों को धोकर छील लें और उनका गूदा निकाल लें। अब इस गूदे को मिक्सी में अच्छी तरह पीस लें ताकि वह एकदम स्मूद प्यूरी बन जाए। एक नॉन-स्टिक कढ़ाही लें और उसमें ये आम प्यूरी डालें। धीमी आंच पर इसे पकाना शुरू करें। जब प्यूरी हल्की गाढ़ी होने लगे, तब इसमें स्वादानुसार चीनी और नींबू का रस मिला दें। नींबू रस डालने से आम पापड़ जल्दी खराब नहीं होता। अब इस मिश्रण को लगातार चलाते रहें, ताकि नीचे न लगे। धीरे-धीरे यह गाढ़ा होकर पेस्ट जैसा हो जाएगा। इस बैटर को इतना थिक कर लें कि चम्मच से उठाने पर वह गिरे नहीं।

अब एक थाली या ट्रे लें और उसमें थोड़ा सा घी लगाकर चिकना कर लें। फिर इस आम के मिश्रण को उसमें फैला दें पतला या थोड़ा मोटा, जैसा आप चाहें। अब इसे धूप में 2-3 दिन तक सूखने दें। अगर धूप न मिले तो पंखे के नीचे भी सुखा सकते हैं, लेकिन ये पंखे में आम पापड़ को सूखने में थोड़ा ज्यादा समय लगेगा।

जब पापड़ पूरी तरह सूख जाए और चिपकना बंद कर दे, तो इसे चाकू से काट लें और रोल कर लें या टुकड़ों में स्टोर करें। आम पापड़ को एयरटाइट डिब्बे में रखें। यह 6 महीने से लेकर साल भर तक आसानी से टिकता है। ये बच्चों के लिए हेल्दी स्नैक क्योंकि बिना केमिकल के बनाया गया है। इसे ट्रेवल में ले जाया जा सकता है।

ड्राई फ्रूट्स सेहत के लिए होते हैं ज़्यादा फायदेमंद

ड्राई फ्रूट्स यानी मेवे हमारे आहार का एक अहम हिस्सा हैं, जो न केवल स्वाद में बेहतरीन होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी अत्यंत लाभकारी माने जाते हैं। लेकिन एक सवाल जो अक्सर उठता है वह यह है कि भुने हुए ड्राई फ्रूट्स बेहतर होते हैं या भिगोए हुए? ऐसे में डाइट पोषण विशेषज्ञ ड्राई फ्रूट्स, जैसे कि बादाम, अखरोट, किशमिश और अंजीर बारे में बता रही हैं कि ड्राई फ्रूट्स में सेहत के लिए ज़्यादा फायदेमंद कौन से हैं?

भिगोए हुए ड्राई फ्रूट्स:

भिगोए हुए ड्राई फ्रूट्स, जैसे कि बादाम, अखरोट, किशमिश और अंजीर, पाचन के लिए अधिक लाभकारी माने जाते हैं। भिगोने से इनमें मौजूद एंजाइम इनहिबिटर्स और फाइटिक एसिड जैसे तत्व कम हो जाते हैं, जो पोषक तत्वों के अवशोषण में बाधा डालते हैं। इसके अलावा, भिगोए गए मेवे शरीर में आसानी से पच जाते हैं और उनकी पोषक गुणवत्ता भी बेहतर हो जाती है। उदाहरण के तौर पर, भिगोए हुए बादाम में मौजूद विटामिन E और एंटीऑक्सिडेंट त्वचा, बालों और दिमाग के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं।

भुने हुए ड्राई फ्रूट्स:

वहीं दूसरी ओर, भुने हुए ड्राई फ्रूट्स, खासकर जो तेल या नमक में भूने गए होते हैं, उनमें वसा और सोडियम की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे हृदय रोग, ब्लड प्रेशर और वजन बढ़ने का खतरा हो सकता है। यदि ड्राई रोस्टेड यानी बिना तेल के भूना गया हो, तो वह कुछ हद तक सुरक्षित है, लेकिन तब भी उनमें कुछ पोषक तत्व नष्ट हो सकते हैं।

क्या है ज़्यादा फायदेमंद?

अगर, आप सेहत को प्राथमिकता देते हैं, तो ड्राई फ्रूट्स को भिगोकर खाना ज्यादा फायदेमंद होता है। यह न केवल पाचन में मदद करता है, बल्कि शरीर को विटामिन्स, मिनरल्स और फाइबर का पूरा लाभ भी देता है। बेहतर होगा कि आप इन्हें रात भर भिगोकर सुबह खाली पेट खाएं और तले-भुने विकल्पों से बचें।

नियम तोड़ने वाले निजी चिकित्सा संस्थानों पर जिला प्रशासन की सख्त कार्यवाही, क्लीनिक-लैब सील, भारी जुर्माना

जगदलपुर। बस्तर जिला प्रशासन ने निजी चिकित्सा संस्थानों में अनियमितताओं के खिलाफ अपनी मुहिम को और तेज कर दिया है। कलेक्टर हरीश एस. के स्पष्ट निर्देश और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक के नेतृत्व में नर्सिंग होम एक्ट 2013 और छत्तीसगढ़ चिकित्सा अधिनियम 2010 के तहत गठित विशेष निरीक्षण दल ने जगदलपुर शहर के विभिन्न निजी क्लीनिकों और डायग्नोस्टिक लैबों पर छापेमारी की। इस दौरान कई संस्थानों में गंभीर खामियां पाए जाने के बाद कठोर कार्रवाई की गई। निरीक्षण दल ने पाया कि कुछ चिकित्सा संस्थान बिना वैध पंजीकरण और निर्धारित मानकों के संचालित हो रहे थे, जो मरीजों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। निरीक्षण के आधार पर कुम्हारपारा में संचालित डॉ. मोहनराव क्लीनिक में अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करने पर क्लीनिक को तत्काल सील कर दिया गया और 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। इसके साथ ही बालाजी डायग्नोस्टिक लैब द्वारा पूर्व में

लगाए गए 20 हजार रुपए के जुर्माने का भुगतान न करने के कारण लैब को सील करने की कार्रवाई की गई। लालबाग में संचालित शिव शक्ति मेडिकल स्टोर के साथ संचालित क्लीनिक में छत्तीसगढ़ चिकित्सा अधिनियम 2013 का पालन न करने पर 20 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक ने कहा, ÷यह कार्रवाई जिले के सभी निजी चिकित्सा संस्थानों के लिए एक सख्त संदेश है कि नियमों का पालन अनिवार्य है। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य बस्तर की जनता को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि इस तरह की औचक निरीक्षण और कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। हमारी प्राथमिकता स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। नियम तोड़ने वाले संस्थानों के खिलाफ ऐसी कार्रवाइयां भविष्य में भी बिना किसी रियायत के जारी रहेंगी। इस अवसर पर जिला प्रशासन ने बस्तर के नागरिकों से आग्रह किया है कि वे उपचार के लिए केवल पंजीकृत और अधिकृत चिकित्सा संस्थानों का ही चयन करें। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि गैर-पंजीकृत या अनधिकृत संस्थानों में उपचार कराने से स्वास्थ्य जोखिम हो सकता है। नागरिकों से यह भी अनुरोध किया गया है कि वे किसी भी अनियमितता की सूचना प्रशासन को दें। जगदलपुर में प्रशासन की इस सख्त कार्रवाई को नागरिकों ने सराहा है। स्थानीय निवासियों का मानना है कि यह कदम निजी चिकित्सा संस्थानों में मानकों का पालन सुनिश्चित करने और मरीजों की सुरक्षा बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित होगा। जिला प्रशासन ने संकेत दिया है कि इस तरह की निरीक्षण प्रक्रिया को और सघन किया जाएगा। सभी निजी चिकित्सा संस्थानों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने पंजीकरण और अधिनियम के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करें, अन्यथा भविष्य में और सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अनुसूचित जाति के मेधावी विद्यार्थियों के लिए 'श्रेष्ठ योजना' हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर

जगदलपुर. अनुसूचित जाति के मेधावी विद्यार्थियों को देश के सर्वश्रेष्ठ निजी आवासीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से भारत सरकार की श्रेष्ठ योजना के तहत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर, शाम 5 बजे निर्धारित की गई है। इस योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से कक्षा 9 और 11 में प्रवेश के लिए 3 हजार नए विद्यार्थियों का चयन किया जाता है, जो कक्षा 12वीं तक की शिक्षा पूरी करते हैं। स्कूलों का आबंटन योग्यता और विद्यार्थियों की प्राथमिकता के आधार पर आनलाइन काउंसिलिंग के माध्यम से किया जाता है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा वर्ष 2022-23 से संचालित यह योजना राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित निजी आवासीय विद्यालयों के माध्यम से अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों को कक्षा 9वीं एवं 11वीं में प्रवेश का अवसर प्रदान करती है। इसके लिए राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा (श्रेष्ठ) का आयोजन किया जाता है। आगामी परीक्षा दिसंबर 2025 में संभावित है। श्रेष्ठ योजना के अंतर्गत प्रत्येक वर्ष सर्वोत्तम निजी आवासीय विद्यालयों का चयन का मापदंड ऐसे विद्यालय हैं जो न्यूनतम पाँच वर्षों से सतत रूप से संचालित हों, पिछले तीन वर्षों में कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षाओं में कम से कम 75 प्रतिशत या उससे अधिक उत्तीर्णता दर प्राप्त कर चुके हों, तथा जिनके पास कक्षा 9वीं और 11वीं में अतिरिक्त रूप से कम से कम 10 अनुसूचित जाति विद्यार्थियों को समायोजित करने हेतु आवश्यक एवं उपयुक्त बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध हों। इस योजना के अंतर्गत चुने गए विद्यार्थियों को शिक्षण एवं छात्रावास शुल्क का पूरा व्यय भारत सरकार द्वारा वहन किया जाता है। विद्यार्थियों को किसी प्रकार का शुल्क या अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होता। साथ ही शैक्षणिक समायोजन में सहायता हेतु 'ब्रिज कोर्स' के लिए वार्षिक शुल्क का 10 प्रतिशत तक का प्रावधान है। योजना अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन एनएटीए की वेबसाइट पर किया जा सकता है। आवेदन सुधार हेतु विंडो 1 से 2 नवंबर 2025 तक खुली रहेगी। राज्य शासन ने सभी जिलों में स्कूलों, वेबसाइटों और सोशल मीडिया के माध्यम से इस योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने कहा, ताकि पात्र विद्यार्थी समय पर आवेदन कर सकें और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के इस अवसर का लाभ उठा सकें।

सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से रोशन हुआ दिनेश का घर

सुकमा। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ग्रामीण अंचलों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता का नया अध्याय लिख रही है। सुकमा जिले के कुम्हाररास निवासी दिनेश पाल ने इस योजना के अंतर्गत अपने घर में 3 किलोवाट क्षमता का सौर संयंत्र स्थापित किया है, जिसके परिणामस्वरूप उनके बिजली बिल में बेहद कमी आई है। पहले जहाँ उन्हें प्रतिमाह 1600-1700 रुपये का भुगतान करना पड़ता था, वहीं अब यह घटकर 400-500 रुपये रह गया है। पाल बताते है कि योजना के तहत उन्हे सब्सिडी तथा बैंक ऋण का लाभ भी मिला है। उन्होंने योजना के लिए प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति

आभार व्यक्त करते हुए इसे आर्थिक रूप से लाभकारी तथा ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। घरो की छतो पर सोलर संयंत्र लगाने वाले हितग्राहियों को केन्द्रीय सब्सिडी के साथ-साथ छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा भी अतिरिक्त सब्सिडी दी जा रही है। नेट-मीटरिंग प्रणाली से जुड़े इन सौर संयंत्रों के माध्यम से उपभोक्ता आवश्यकता से अधिक बिजली ग्रिड को बेचकर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं। सुकमा कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने इसे पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा बचत और आर्थिक सुदृढ़ीकरण के लिए महत्वपूर्ण पहल बताया। यह योजना अब ग्रामीण घरों में रोशनी, बचत और आत्मनिर्भरता का माध्यम बनकर ऊर्जा क्रांति ला रही है।

बस्तर ओलिंपिक 2025 : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में खेलों के माध्यम से शांति और समरसता का संदेश

- बस्तर संभाग के 7 जिलों से 3 लाख 91 हजार 289 खिलाड़ियों ने कराया पंजीयन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जनजातीय बाहुल्य बस्तर संभाग में युवाओं की ऊर्जा, उत्साह और प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से 'बस्तर ओलंपिक 2025' का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में गृह (पुलिस) विभाग और खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में होने वाला यह आयोजन प्रदेश के रजत जयंती वर्ष में बस्तर की नई पहचान बनेगा। बस्तर ओलंपिक 2025 के प्रति लोगों में उत्साह का अंदाज़ा इसी से लगाया जा सकता है कि अब तक बस्तर संभाग के 7 जिलों से 3 लाख 91 हजार 289 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है। इनमें 1 लाख 63 हजार 668 पुरुष और 2 लाख 27 हजार 621 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। यह संख्या न केवल बस्तर के युवाओं का खेलों के प्रति बढ़ते उत्साह को दर्शाती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि बस्तर की धरती पर अब खेल एक नई सामाजिक चेतना और समान भागीदारी का प्रतीक बन चुके हैं। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बस्तर के युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ना और उनके भीतर निहित नैसर्गिक खेल प्रतिभा को पहचानना है। यह पहल केवल खेल आयोजन नहीं, बल्कि शासन और जनता के बीच विश्वास व संवाद का सेतु बनेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा था, बस्तर ओलंपिक केवल एक खेल आयोजन नहीं है, यह ऐसा मंच है जहां विकास और खेल का संगम हो रहा है, जहां हमारे युवा अपनी प्रतिभा को निखार रहे हैं और एक नए भारत का निर्माण कर रहे हैं। यह मॉडल पूरे देश में 'खेल के माध्यम से शांति और विश्वास' की अनूठी पहल के रूप में देखा जा रहा है। प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, तीरंदाजी, फुटबॉल, बैडमिंटन, कबडडी, खो-खो, वॉलीबॉल, कराते, वेटलिफ्टिंग और हॉकी जैसे खेल शामिल हैं। इसमें न केवल आधुनिक खेलों को बढ़ावा दिया जाएगा, बल्कि स्थानीय परंपरा से जुड़े खिलाड़ियों को भी मंच मिलेगा। बस्तर ओलंपिक में जूनियर (14-17 वर्ष) और सीनियर वर्ग के अलावा विशेष श्रेणी के प्रतिभागियों–नक्सल हिंसा से दिव्यांग हुए व्यक्ति और आत्मसमर्पित नक्सलियों–को भी सम्मिलित किया जा रहा है। यह पहल खेल के माध्यम से पुनर्वास, पुनर्जीवन और सामाजिक एकीकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। प्रतियोगिताएं तीन स्तरों–विकासखण्ड, जिला और संभाग स्तर–पर आयोजित हो रही हैं। विकासखण्ड स्तर पर प्रतियोगिता 25 अक्टूबर से, जिला स्तर पर 5 नवम्बर से और संभाग स्तर पर 24 नवम्बर से आयोजित की जाएगी। विजेताओं को जिला और संभाग स्तर पर नगद पुरस्कार, मेडल, ट्रॉफी और शील्ड प्रदान की जाएगी। नगद राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से खिलाड़ियों के बैंक खाते में जमा की जाएगी। संभागीय स्तर के विजेता खिलाड़ियों को बस्तर यूथ आइकॉन के रूप में प्रचारित किया जाएगा। यह 'स्पोर्ट्स फॉर पीस' मॉडल बस्तर में नई सामाजिक चेतना का प्रतीक बनेगा। 'बस्तर ओलंपिक 2025' के लिए वन भैंसा और पहाड़ी मैना को शुभंकर बनाया गया है, जो बस्तर की जीवंतता और सामुदायिक शक्ति का प्रतीक हैं। यह आयोजन न केवल खेलों का, बल्कि बस्तर की संस्कृति, सौहार्द और विकास के नए युग का उत्सव बनेगा।

प्राकृतिक आपदा पीड़ित के वारिसों को 12 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि

कोण्डागांव। कलेक्टर नुपुर राशि पन्ना द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के अंतर्गत प्राकृतिक आपदा पीड़ित के 3 प्रकरणों में वारिसों को 12 लाख रुपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि प्रदान की गयी।

कलेक्टर द्वारा माकड़ी तहसील के ग्राम सिवनी निवासी बनती की सर्पदंश से मृत्यु होने पर भाई सोनिया, सोनसाय, किर्तन, बहन खेमबती को 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि, बड़ेराजपुर तहसील के ग्राम हत्दा निवासी प्रभुलाल मरकाम की सर्पदंश से मृत्यु होने पर पत्नी रमुला मरकाम को 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि, माकड़ी तहसील के ग्राम छोटे सलना निवासी दीपक की पानी गाज गिरने से मृत्यु होने पर माता सुकली को 4 लाख रूपए आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गयी है। उक्त स्वीकृत आर्थिक सहायता राशि सम्बन्धित वारिसों के बैंक खाते में हस्तांतरित करने के निर्देश सम्बन्धित तहसीलदारों को दिए गए हैं।

महतारी वंदन योजना से बदली जिंदगी श्यामा बनी आत्मनिर्भरता की पहचान

मुंगेली। सरकारी योजनाएं तभी असर दिखाती हैं, जब वे सीधे आमजन के जीवन में बदलाव लाएं। छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना ऐसी ही तस्वीर लिख रही है। मुंगेली जिले के ग्राम किरना की श्यामा नेताम इसका उदाहरण है। कभी मजदूरी और सीमित खेती पर आश्रित यह परिवार आज आत्मनिर्भरता की राह पर मजबूती से खड़ा है, वो भी एक छोटे से प्रयास और बड़ी सोच की वजह से। श्यामा को बकरी पालन का अनुभव तो था, मगर पूंजी की कमी बड़ी बाधा थी। इसी बीच महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने मिलने वाले 1,000 रुपए ने उनकी उम्मीद को नई दिशा दी। श्यामा ने राशि खर्च करने के बजाय उसे कुछ महीने तक बचाया और उसी से एक बकरी खरीदी। यहीं से शुरू हुआ बदलाव का सफर, रकम भले छोटी थी, लेकिन हौसला बड़ा। धीरे-धीरे बकरियों की संख्या बढ़ी और आज श्यामा परिवार की

आय में 3000 रुपए प्रति माह जोड़ रही हैं। बच्चों की पढ़ाई हो या रोजमर्रा का खर्च, सब कुछ अब पहले से ज्यादा व्यवस्थित है। सबसे बड़ी बात श्यामा अब खुद को आश्रित नहीं, आत्मनिर्भर कहने लगी हैं। श्यामा नेताम कहती हैं कि 'योजना ने मुझे नया हौसला दिया। अब मैं अपने पैरों पर खड़ी हूँ। पहले घर चलाना मुश्किल था, लेकिन अब अपने दम पर परिवार संभाल पा रही हूँ। यह योजना सच में महिलाओं के लिए नई शुरुआत है। यह बदलाव यूं ही नहीं आया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित महतारी वंदन योजना का मकसद महिलाओं को केवल सहारा नहीं, आर्थिक स्वतंत्रता देना है। इस योजना की बदौलत श्यामा जैसी हजारों महिलाएं अपनी पहचान और सम्मान की नई कहानी लिख रही हैं। गांव में श्यामा प्रेरणा बन चुकी हैं। उनकी मुस्कान बताती है कि छोटे अवसर भी बड़ा भविष्य बना सकते हैं, बस जरूरत है विश्वास, निरंतरता और सही दिशा की।

क्वीक न्यूज

गेवरा खदान में भू-विस्थापितों पर लाठीचार्ज, कई लोग घायल

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में स्थित एसईसीएल की गेवरा खदान में रोजगार, पुनर्वास और मुआवजा की लंबित मांगों को लेकर गुरुवार को शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे भू-विस्थापितों पर सीआईएसएफजवानों के लाठीचार्ज कर देने से कई लोग घायल हो गए। घायलों में छत्तीसगढ़ किसान सभा के जिला सचिव दीपक साहू, रमेश दास, बिमल दास और गुलाब दास शामिल हैं। घटना के बाद क्षेत्र में भारी तनाव व्याप्त है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण चल रहा था। इसी दौरान सीआईएसएफ के एक अधिकारी द्वारा प्रदर्शनकारियों से अभद्र व्यवहार और गाली-गलौज की गई, जिसके बाद बल ने अचानक लाठीचार्ज शुरू कर दिया। घायल प्रदर्शनकारियों को जबरन उठाकर थाने ले जाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण दीपका थाना पहुंच गए और मारपीट के आदेश देने वाले अधिकारियों पर अपराध दर्ज करने की मांग की। थाना प्रभारी प्रेमचंद साहू ने घायलों का मुलाहिजा करवाने और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। छत्तीसगढ़ किसान सभा के प्रदेश संयुक्त सचिव प्रशांत झा ने लाठीचार्ज को तानाशाही रवैया बताते हुए कहा कि यह कार्रवाई एसईसीएल प्रबंधन के इशारे पर की गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि भू-विस्थापितों की समस्याओं का समाधान किए बिना किसी भी स्थिति में खदान विस्तार नहीं होने दिया जाएगा। यदि प्रबंधन ने जबरन विस्तार की कोशिश की तो आंदोलन और उग्र रूप लेगा। किसान सभा ने मांग की है कि एसईसीएल से प्रभावित प्रत्येक छोटे खातेदार को नियमित रोजगार, उचित मुआवजा और पुनर्वास की सुविधा दी जाए। साथ ही नए और पुराने मुआवजा प्रकरणों में की जा रही कटौती तत्काल बंद करने की अपील की गई है। किसान सभा के जिला सचिव दीपक साहू ने कहा कि आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण था, बावजूद इसके सीआईएसएफने जबरन लाठीचार्ज किया। उन्होंने कहा, बंदूक और लाठी की नोंक पर खदान विस्तार नहीं होगा। पहले रोजगार, पुनर्वास और मुआवजा की समस्याओं का समाधान किया जाए। संगठन का आरोप है कि पूर्व में अधिग्रहित ग्रामों के रोजगार और मुआवजा प्रकरण वर्षों से लंबित हैं, जबकि प्रशासन की मदद से नए क्षेत्रों में तेजी से खनन विस्तार किया जा रहा है। किसान सभा ने चेतावनी दी है कि जब तक प्रभावित ग्रामों की समस्याओं - रोजगार, बसावट और पेयजल का समाधान नहीं किया जाता, तब तक किसी भी नए विस्तार कार्य का विरोध जारी रहेगा। प्रदर्शन में गेवरा क्षेत्र के अनेक प्रभावित गांवों के सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए। किसान सभा के पदाधिकारी अब आंदोलन को व्यापक स्वरूप देने की रणनीति बना रहे हैं।

अवैध धान परिवहन व बिचौलिए पर रहेगी प्रशासन की पैनी नजर

बलौदाबाजार। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान एवं मक्का खरीदी की तैयारी जिला प्रशासन द्वारा युद्ध स्तर पर शुरू कर दी गई है। इसी कड़ी में जिला पंचायत सभाकक्ष में नोडल अधिकारियों को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। कलेक्टर दीपक सोनी ने नोडल अधिकारियो के कार्यो और दायित्वों की जानकारी देते हुए अवैध धान परिवहन एवं बिचौलिए पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी में नोडल अधिकारियों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी रहेगी। किसी भी समिति में अवैध धान खपाने का प्रयास करने वाले बिचौलिए एवं अवैध धान परिवहन करते पाए जाने पर तत्काल इसकी सूचना तहसीलदार एवं समिति प्रबंधक को देना है। अपने-अपने कार्य क्षेत्र समिति अंतर्गत आने वाले गांव के संदिग्ध व्यक्ति एवं बिचौलिओं की सूची तैयार कर लें। धान खरीदी के समय क़ानून व्यवस्था बनाए रखने में भी आवश्यक समन्वय करना होगा। उन्होंने कहा कि जिले में लगभग 12 स्थानों पर जांच नाका स्थापित हैं जिन्हे शीघ्र सक्रिय करें ।

एक नवंबर को पीएम मोदी करेंगे राज्योत्सव का शुभारंभ, 'नई सोच, नया छत्तीसगढ़' थीम पर होगा भव्य आयोजन

राज्योत्सव के मंच से उभरेगा डिजिटल और विकसित छत्तीसगढ़, संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने लिया तैयारियों का जायजा

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में इस वर्ष राज्य सरकार भव्य रजत राज्योत्सव मनाने जा रही है। राजधानी नया रायपुर में 1 नवंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पांच दिवसीय राज्योत्सव का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम को ऐतिहासिक और आधुनिक स्वरूप देने के लिए तैयारियां तेज़ी से चल रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान देश के पहले आदिवासी डिजिटल संग्रहालय, नया विधानसभा भवन और ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की 'शांति शिखर' अकादमी का भी उदघाटन करेंगे। वे सत्य सांई हॉस्पिटल में हृदय उपचार से लाभान्वित बच्चों से भी मुलाकात करेंगे। संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने राज्योत्सव की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों को

आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। राज्योत्सव स्थल पर राज्य सरकार के विभिन्न विभागों और केन्द्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रमों की आकर्षक प्रदर्शनी भी लगायी जाएगी। इसके अलावा फूड जोन और शिल्पग्राम के साथ ही यहां आने वाले लोगों के मनोरंजन के लिए विभिन्न स्टॉल लगाये जाएंगे। मुख्य मंच पर आकर्षक सांस्कृति कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी होगी। मंत्री अग्रवाल ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में राज्योत्सव और संग्रहालय का अवलोकन कर राज्य की गौरवगाथा से जुड़ें। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की रजत जयंती पर मनाया जा रहा राज्योत्सव छत्तीसगढ़ की गौरवमयी विकास यात्रा का उत्सव है। संस्कृति मंत्री अग्रवाल ने शहीद वीर नारायण सिंह की स्मृति में बनाए जा रहे नवीन आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय और पुरखौती मुक्तांगन का निरीक्षण कर पुरखौती मुक्तांगन में नवनिर्मित रामवनगमन पथ, सीताबेंगरा एवं रामगढ़ की पहाड़ी की प्रतिकृति का अवलोकन किया और यहां किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। इस अवसर पर आदिम जाति विकास विभाग के आयुक्त डॉ. सरांश मित्तर, संस्कृति विभाग के संचालक विवेक आचार्य सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। नवा रायपुर में विकसित देश का पहला आधुनिक आदिवासी डिजिटल संग्रहालय छत्तीसगढ़ के जननायकों, वीरता और लोक संस्कृति की गाथा को नवीन तकनीक और वर्चुअल रियलिटी माध्यम से प्रस्तुत करेगा। संग्रहालय में पारंपरिक कलाओं के साथ डिजिटल इंटरएक्टिव अनुभव भी दर्शकों को आकर्षित करेंगे। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि 'इस वर्ष राज्योत्सव 'नई सोच, नया छत्तीसगढ़' थीम पर मनाया जा रहा है, जो राज्य के डिजिटल, सांस्कृतिक और विकासशील स्वरूप का प्रतीक बनेगा।' उन्होंने यहां एआई पर आधारित डिजिटल स्वचालित कैमरे लगाये गए हैं, जिसमें कैमरे के सामने आने पर स्वतः ही आदिवासी वेषभूषा पर छायाचित्र खिंच जाती है। 25वें राज्योत्सव में देश-विदेश के कलाकारों की प्रस्तुतियां, भारतीय वायुसेना का सूर्यकिरण एयर शो, हस्तशिल्प प्रदर्शनी, स्थानीय उत्पादों के स्टॉल, डिजिटल एक्सपीरियंस जोन और वीआर जोन विशेष आकर्षण रहेंगे। राज्योत्सव स्थल पर तीन विशाल डोम बनाए जा रहे हैं, जिनमें 60 एलईडी स्क्रीन लगाई जा रही हैं। करीब 40 हजार वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था, 300 शौचालय, 20 बेड का अस्थायी हॉस्पिटल, आईसीयू यूनिट और 25 एम्बुलेंस तैयार रखी गई हैं। इसके अलावा नए चौराहों का सौंदर्यीकरण और प्रकाश व्यवस्था का कार्य भी अंतिम चरण में है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com